कार्तिक कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 102 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 अक्टूबर 2025 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
28 अधिकतम
22 न्यूनतम

Page-7

शताब्दी वर्ष में शुरू हुआ विमर्श...जार्ज सोरोस और अडानी तक जा पहुंचा

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

संघ के सौ साल पर बहस - पार्ट 1

भाजपा के मातृ संगठन कहे जाने वाले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरे होने के मौके पर साल भर आयोजन रखे गए हैं। अगर संघ को जनसंघ या भाजपा की जननी ही मान लिया जाए तो उसकी सेंचुरी होने के मौके पर जश्न मनता है तो किसी को भी इस पर इस पर ऐतराज नहीं होना चाहिए कि उसने एक भाजपा जैसे राजनीतिक संगठन को पैदा किया। ऊंगली पकड़कर चलाया और फिर उसे अपने बूते पर दौड़ने लायक मुकाम तक पहुंचाया। संघ के समर्थक हों या आलोचक, किसी को इसके लिए रश्क नहीं होना चाहिए बल्कि उसे इस बात का मंथन भी करना चाहिए कि क्या वह भी ऐसा कर सकता है? लेकिन सार्थक बहस के साथ ही।

दरअसल, मेरे मन में इस कॉलम को लिखने के विचार को जन्म देश के सबसे बड़े खबरिया चैनल कहे जाने वाले आजतक के 'साहित्य आजतक' कार्यक्रम ने पैदा किया। आज तक की मशहूर और तेजतर्रार एंकर अंजना ओम कश्यप ने इसका संचालन करते हुए हाल ही में जो बहस कराई उसने मुझे भी अपने विचार प्रकट करने या मन में उभरते सवालों को कागजों पर उकेरने को विवश किया। यूं तो अंजना जी या आजतक की टीम ने खबरी चैनलों पर अपनी पार्टी का विचार बेबाकी और बेहद तार्किक ढंग से रखने वाले दो मूर्धन्य प्रवक्ताओं यानि भाजपा के प्रबुद्ध नेता सुधांशु त्रिवेदी और कांग्रेस के प्रखर और तार्किक तरीके से कांग्रेस की बात रखने वाले अभय दुबे को आमंत्रित किया। एक साफ सुथरी छवि वाले विजय त्रिवेदी जैसे पत्रकार के साथ पत्रकार से आम आदमी पार्टी के नेता और बाद में आप में स्पेस नहीं मिल पाने की वजह से पत्रकार के बजाए राजनीतिक विश्लेषक के बतौर चैनल के मैदान में उतरने वाले आशुतोष सरीखे बेबाक पत्रकार को भी इस पैनल में रखा। संघ के सौ साल पूरे हो जाने पर बहस और भी अहम हो जाती है जब उसके साथ या उसके पहले बने ऐसी ही वैचारिक संगठन इस मुकाम पर क्यों नहीं पहुंच सके। अपने मातृ संगठन को भी उन्होंने उस इज्जत से क्यों नहीं नवाजा जो उनको ही आगे बढ़ाना चाहते थे? उन्होंने उसका ही गला क्यों घोट दिया जो उनके हित साधन का बड़ा औजार बन सकती थी? मेरा आशय संघ के पहले गठित कांग्रेस सेवादल और संघ के साथ ही बनी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया से है जो सौ सालों में विलुप्ति की कगार तक आ पहुंची है और वामपंथी कांग्रेसी कंधों पर सवार होकर अपने वितार को बढ़ाने को मजबूर है। सवाल यह भी है कि कांग्रेस अपनी मूल विचारधारा छोड़कर वामपंथियों का मोहरा कैसे बन गई ? बात चूंकि राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के सफरनामे की शताब्दी से जुड़ी थी इसलिए उसकी सबको अपनी अपनी तरह से मीमांसा करना थी। करीब डेढ़ घंटे चली इस तेजतर्रार बहस की शुरू आत तो वीरेंद्र सहवाग और यशस्वी जायसवाल सरीखे बल्लेबाजों की तरह हुई। लेकिन बात जैसे- जैसे आगे बढ़ी उसमें भटकाव आता गया। यदि पौराणिक काल के शास्त्रार्थ की तरह से समझें तो इसमें तर्क वितर्क की काफी गुंजाईश थी। लेकिन मध्यक्रम से चर्चा में जो भटकाव शुरू हुआ वह कुतर्कों पर जाकर थम गया।

कांग्रेस प्रवक्ता ने दलील दी कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक का गठन अंग्रेजों को फायदा पहुंचाने के लिए हुआ था। वो यह भूल गए कि संघ के संस्थापक डॉ हेडगेवार कांग्रेस छोड़कर ही इसकी स्थापना में जुटे थे। यानि जब तक वह कांग्रेस में थे अंग्रेजों के खिलाफ थे और जैसे ही संघ की स्थापना उन्होंने की तो वह और उनका संघ अंग्रेज परस्त हो गया। कुतर्कों के जरिए संघ पर अंग्रेजों के प्रति भक्तिभाव के आरोप जड़ने की कोशिश करने वाले कांग्रेसी प्रवक्ता यह भूल बैठे कि कांग्रेस का जन्मदाता कौन था? उसका मकसद क्या था? सुधांशु त्रिवेदी भी अपने जवाब में यह बताना भूल गए जिसका जिक्र करते आए हैं। इतिहास के पन्नों को उलटते हुए त्रिवेदी यह पहले यह जिक्र कर चुके हैं कि कांग्रेस की स्थापना अंग्रेजों ने अपनी सहूलियत से की। हालांकि सुधाशू त्रिवेदी ने मई 2014 में मोदी की अगुआई में पहली बार साफ बहुमत के साथ भाजपा की सरकार के गठन के बाद लंदन के संडे गार्जियन में छपे लेख का जिक्र जरूर किया। उनका दावा है कि इसमें कहा गया था कि भारत भले ही 1947 में आजाद हुआ लेकिन उसको असली तौर पर आजादी अब जाकर यानि 16 मई 2014 को भाजपा की सरकार बनने के बाद मिली। क्योंकि इसके पहले की कांग्रेस सहित कई सरकारों ने ब्रिटिश हुकूमत के पैटर्न पर ही भारत की सरकार चलाई। बहस में यह सवाल पीछे छूट गए कि गुलाम भारत में कांग्रेस की स्थापना 1885 में ब्रिटिश हुकूमत के रिटायर्ड अफसर सर एलन आक्टेवियन ह्यूम (एओ ह्यूम) ने क्यों की थी? इसका असली मकसद क्या था। हालांकि तब कांग्रेस के पहले अध्यक्ष वोमेश चंद्र बैनर्जी बने थे। लेकिन संस्थापक के साथ जनरल सेक्रेटरी बतौर असली कमान ए ओ ह्यूम के हाथों में थी। भारतीय कांग्रेस नेताओं के अलावा कितने अंग्रेजों ने कांग्रेस अध्यक्ष की कमान संभाली। संघ की बहस में अडाणी और अमेरिकी जार्ज सोरोस कैसे घुस आए... *इसका ब्यौरा अगले अंक में।* (जारी)

द ग्रेट इंडियन बिहार पॉलिटिकल ड्रामा

एनडीए में सीट बंटवारे और टिकट पर घमासान, महागठबंधन में सहमति नहीं

नीतीश के दर पर अपनों ने ही लगाई 'गद्दारी' और टिकट बेचने की तोहमत

पटना, एजेंसी

बिहार में पहले चरण के लिए नामांकन भरने के लिए अब सिर्फ दो दिन का समय बचा है और सियासी ड्रामा चरम पर है। एनडीए में जो सीट बटवारा हुआ है , उसे लेकर नाराजगी खुलकर सामने आई है। जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा निराशा जाहिर कर चुके हैं। चिराग पासवान को मिले हिस्से से नीतीश खुश नहीं हैं तो जनता दल यूनाइटेड में ही टिकिट को लेकर मारामारी की स्थिति है। कुछ दावेदारों ने तो खुलकर टिकिट बेचे जाने के आरोप लगाए हैं। इस बीच आज जेडीयू ने अपनी 57 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इससे पहले बीजेपी 71 और जन सुराज पार्टी 116 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। उधर महागठबंधन में अभी तक सीट बंटवारे पर ही फैसला नहीं हुआ है।

जेडीयू के कुछ दावेदार सीएम हाउस तक पहुंचकर गद्दारी के नारे बुलंद कर रहे हैं। बेलहर विधानसभा से उम्मीदवारी का दावा कर रहे एक नेता ने कहा कि ये पार्टी कुर्मी-कुशवाहा की थी। लेकिन संजय झा, ललन सिंह और विजय चौधरी ने हाईजैक कर लिया है और टिकट बेच रहे हैं। गोपालपुर के विधायक गोपाल मंडल भी सीएम हाउस नीतीश कुमार का नाम बुलंद करते आ गए। उन्होंने भी जदयू के तमाम कद्दावर नेताओं पर उंगली उठाई। दिनारा विधानसभा पूर्व मंत्री जय कुमार सिंह ने जदयू के कई लोगों पर टिकट बेचने का आरोप लगाते कल ही पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। यह वही सीट है जिसे रालोमो के हिस्से में दे कर उपेंद्र कुशवाहा को खुश करने का आरोप लगाया। सासाराम के पूर्व विधायक अशोक सिंह ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इन्हें सासाराम की जनसभा में नीतीश कुमार ने टिकट देने का वादा किया था। राजभर विधानसभा के लिए पूर्व मंत्री संतोष निराला ने भी विरोध दर्ज किया। इसके बाद उन्हें सिम्बल मिला।

महागठबंधन में सस्पेंस

महागठबंधन में भी कलह है। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस 60-65 सीटों से कम पर राजी नहीं है तो आरजेडी भी इस बार पिछली बार की तरह उसे ज्यादा सीटें देकर, महागठबंधन की ताकत कमजोर करने के लिए तैयार नहीं हैं। महागठबंधन में तकरार का आलम तो ये है कि खुद आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने जिन दो उम्मीदवारों को टिकट दे दिया था, तेजस्वी यादव ने पटना वापस आकर वह भी छीन लिया। सीपीआई (एमएल) भी पिछली बार की अपनी स्ट्राइक रेट दिखाकर अपनी दावेदारी को लेकर टस से मस नहीं हो रही।वहीं मुकेश सहनी की वीआईपी और चिराग पासवान के चाचा पशुपति कुमार पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के लिए भी सीटों की गुंजाइश बहुत बड़ी चुनौती है।

नथिंग इज वेल...

एनडीए में सबसे पहले खुलेआम नाराजगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने जाहिर की। सूत्रों के अनुसार बुधवार तड़के तक बीजेपी के दिग्गजों ने उन्हें मनाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने यह कहकर सनसनी मचा दी कि 'नथिंग इज वेल इन एनडीए।' कहा जा रहा है कि वह महुवा सीट एलजेपी (आर) के खाते में जाने से ज्यादा तिलमिलाए हुए हैं। इसी तरह से 'हम' के जीतन राम मांझी भी मात्र 6 सीटों से खुश नहीं लग रहे। लेकिन, सूत्रों की मानें तक सबसे बड़ी दिक्कत जेडीयू को लेकर है और नीतीश कुमार बीजेपी के बराबर 101 सीट पाकर नाराज़ हैं। सूत्रों का कि मुख्यमंत्री ने बंटवारे में बड़ा भाई नहीं रह पाने को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा को कड़ी फटकार भी लगाई है।

सांसद ने की इस्तीफे की पेशकश

भागलपुर के सांसद अजय मंडल ने नीतीश कुमार से इस्तीफे की अनुमति मांगी है। उन्होंने कहा कि अब संगठन में समर्पित कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेतृत्व की राय का कोई महत्व नहीं रह गया है। अपने आत्मसम्मान और पार्टी के भविष्य की चिंता करते हुए सांसद पद पर मेरा बने रहने का क्या औचित्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़क सुरक्षा कार्यशाला में दुर्घटना रोकने के लिए तैयार 'संजय' एडवांस एप लांच किया।

आईआईटी मद्रास के सहयोग से आयोजित सेमीनार में बोले सीएम

सड़क सुरक्षा पर मिलकर काम करें विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोक निर्माण विभाग पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से आव्हान किया कि वे सड़क दुर्घटना रोकने और उनमें हाने वाली मौतों का आंकड़ा सामूहिक प्रयास से कम करने के कदम उठाएं।

वे सड़क विकास निगम और लोक निर्माण विभाग द्वारा आईआईटी मद्रास के सहयोग से प्रशासन अकादमी में एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय सड़क सुरक्षा सेमिनार में बोल रहे थे। यह आयोजन मध्य प्रदेश स्टेकहोल्डर्स एलायंस मीटिंग फॉर डेटा-ड्रिवन हाईवे लोकेल इंटरवेंशंस के तहत किया जा रहा है, जिसमें प्रदेशभर से लगभग 500 तकनीकी अधिकारी, सड़क इंजीनियर, नीति विशेषज्ञ और सुरक्षा सलाहकार भाग ले रहे हैं। सेमिनार का उद्देश्य राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रबंधन-आधारित दृष्टिकोण को एक साझा मंच पर लाना है। इस अवसर पर आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिक प्रो. बालासुब्रमण्यम ने संजय नाम ऐप की जानकारी दी। जिसके माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में हर साल पांच लाख एक्सीडेंट होते हैं जिनमें 2 लाख से ज्यादा की मौत हो जाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सेमीनार में होने वाले मंथन से ठोस रास्ता निकलेगा। कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि अब छोटी सड़कों पर दुर्घटना रोकने से संबंधित साइनेज लगाने का काम ठेकेदारों को न देकर एजेंसियों को दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अनुराग जैन भी उपस्थित थे।

रिटायर्ड आबकारी अफसर पर छापा, ढाई किलो सोना मिला, बेटा-बेटी फिल्मों में लगाते थे कमाई

इंदौर/ग्वालियर, एजेंसी।

लोकायुक्त की टीम ने रिटायर्ड आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र भदौरिया के 8 ठिकानों पर छापे मारे हैं। इसमें अब तक ढाई किलो सोना और 75 लाख रुपए नगद मिले हैं। धर्मेंद्र सिंह भदौरिया 1987 में भर्ती हुए थे। अगस्त 2025 में रिटायरमेंट हुआ। इस दौरान उनकी वैध आय करीब दो करोड़ रुपए मानी जा रही है जबकि अभी तक 8 करोड़ रुपए का खर्च सामने आ चुका है। जांच में यह भी सामने आया है कि उनके बेटे सूर्यांश भदौरिया फिल्मों में निवेश करते थे। बेटी का भी फिल्मों में पैसा लगाने से जुड़ा लिंक सामने आया है। लोकायुक्त डीएसपी सुनील तालान ने कहा- गोपनीय शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। इंदौर के ठिकानों पर सर्चिंग में उज्जैन और इंदौर के अफसर शामिल हैं। भदौरिया को सेवाकाल के दौरान वेतन और भत्तों के रूप में लगभग 2 करोड़ रुपए मिले थे जबकि शुरुआती जांच में ही करीब 8 करोड़ रुपए के खर्च और निवेश के सबूत सामने आए हैं। कई बैंकों में उनके नाम पर अकाउंट भी हैं। इंदौर के काउंटी वॉक इलाके में 4700 वर्गफुट जमीन पर बंगले का निर्माण चल रहा है।

मेट्रो एंकर

इस साल 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ी कीमत, त्यौहार की खरीददारी पर असर

टनों के हिसाब से खरीदी बढ़ा रही है सोने के दाम

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में धनतेरस पर सोना खरीदने की पुरानी परंपरा रही है। एक अनुमान के मुताबिक यहां लोगों के पास करीब 25 हज़ार टन सोना है। आज चर्चा इस बात की है कि इस साल सोने की कीमत रॉकेट की स्पीड से बढ़ी है। इससे नवरात्रि के दौरान सोने की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले करीब 25 फीसदी गिरावट आई। इसी तरह सोने के आभूषणों की एडवांस डिपॉजिट स्कीम में जमा होने वाली राशि में भी बड़ी गिरावट आई है। साफ है कि ऊंची कीमतों के कारण सोने के आभूषणों की खरीद कम हो गई है। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना1,26,930 रुपये पर पहुंच गया। इस बार धनतेरस पर सोने की कीमत 1,30,000 रुपये पहुंचने का अनुमान है। यानी इस बार कई लोगों को दिवाली और धनतेरस पर सोना खरीदने की योजना को ठंडे बस्ते में डालना पड़ेगा। सोने की कीमत में इस साल 50त्न से ज्यादा तेजी आई है। पिछले साल मार्च से सोने की कीमत में केवल चार बार मासिक गिरावट आई है। पिछले 12 महीने में इसका मार्केट कैप 10 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। मंगलवार को इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 4,130 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। इसी तरह एक ही दिन में इसका मार्केट कैप करीब 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़कर 27.649 ट्रिलियन पहुंच गया है।

सेंट्रल बैंकों की खरीदी

सवाल है कि सोने की कीमत क्यों बढ़ रही है? इसके पीछे कई तर्क दिए जा रहे हैं। एक वजह यह भी मानी जा रही है कि दुनिया भर के सेंट्रल बैंक सोने की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। 2024 में सेंट्रल बैंक्स ने लगातार तीसरे वर्ष 1,000 टन से ज्यादा सोना खरीदा था। इससे उन्हें अपने विदेशी मुद्रा भंडार को डाइवर्सिफाई करने में मदद मिलती है। सेंट्रल बैंक पिछले 15 साल से गोल्ड के बड़े खरीददार रहे हैं लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद इसमें काफी तेजी आई है।

किसके पास कितना सोना

पिछले साल सबसे ज्यादा गोल्ड खरीदने के मामले में पोलैंड पहले नंबर पर रहा। इस देश के केंद्रीय बैंक ने इस दौरान सबसे ज्यादा 89.5 टन सोना खरीदा। पोलैंड में हाल के वर्षों में अमीरी तेजी से बढ़ी है और उसका गोल्ड रिजर्व 515 टन पहुंच चुका है। पोलैंड के बाद दूसरे बाद नंबर भारत रहा। हमारे रिजर्व बैंक ने पिछले साल 72.6 टन सोना खरीदा। भारत का कुल गोल्ड रिजर्व अब 880 टन है। पिछले साल चीन ने 44.2 टन, चेक रिपब्लिक ने 20.5 टन और किर्गीजस्तान ने 16.6 टन सोने की खरीद की।

राजस्थान : बस की आग में मौत का आंकड़ा 21 हुआ

जैसलमेर/जोधपुर, एजेंसी। राजस्थान के जैसलमेर में स्लीपर बस अग्निकांड में मृतकों की संख्या 21 हो गई है। हादसे में झुलसे 10 साल के युनुस ने भी आज सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अनुसार अब भी 4 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। इस बीच शवों की पहचान के लिए जोधपुर और जैसलमेर के हॉस्पिटल में डीएनए सैंपल लिए जा रहे है।

दिल्ली-NCR में ग्रीन पटाखे बेचने-फोड़ने की इजाजत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बेचने और फोड़ने की इजाजत दे दी। हालांकि, ये परमिशन 18 से 21 अक्टूबर तक के लिए है। इस दौरान, लोग सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात में 8 बजे से 10 बजे तक, यानी कुल तीन घंटे ही ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि हम कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की इजाजत दे रहे हैं।

कॉरिडोर के साथ वाली सड़कों की हालत खराब, लोग परेशान

मेट्रो के नाम पर शहर की दुर्दशा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेट्रो निर्माण ने शहर की यातायात व्यवस्था को बिगाड़ रखा है। मेट्रो कॉरिडोर के साथ वाली सड़कों की हालत बहुत खराब थीं। 12 नंबर में 'हाउसिंग फॉर ऑल' परियोजना की भी योजना धरातल पर दिखाई नहीं दे रही। निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है और आम लोगों को आवास का सपना अभी भी सपना ही बना है। हर पड़ाव पर एक नई तस्वीर सामने आई जो अधिकारियों की सुस्त कार्यप्रणाली और अक्षमता की कहानी बयां कर रही थी।

बता दें राजधानी की बदहाली का सच तब सामने आया, जब बीते दिनों नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) संजय दुबे खुद अपनी गाड़ी लेकर सड़कों पर उतर पड़े। शहर की जर्जर सड़कों, अधूरे मेट्रो स्टेशनों और धीमी गति से चल रहे 'हाउसिंग फॉर ऑल' (एचएफए) परियोजना का जायजा लेने निकले दुबे ने मौके पर जो देखा, उससे वे नाराज हुए। बोगदा पुल से शुरू हुआ एसीएस का निरीक्षण दौरा एमपी नगर, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और नर्मदापुरम रोड होते हुए त्रिलंगा पहुंचा। अंत में 12 नंबर मल्टी में एचएफए परियोजना पर समाप्त हुआ।

विभागों की आपसी खींचतान में बढ़ी परेशानी

जिंसी चौराहे पर धर्म कांटे के पास एसीएस ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से सड़कों की बदतर हालत पर तीखे सवाल किए। निगम के अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन ने शहर का नक्शा दिखाते हुए यह कहकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की कि अधिकांश प्रमुख सड़कें पीडब्लूडी के अधिकार क्षेत्र में आती हैं।

सड़क बनी खाई: सुभाष नगर मेट्रो डिपो की स्थिति सबसे खराब मिली। यहां सड़कें पूरी तरह गायब थीं। जगह-जगह 8-10 इंच गहरे गड्ढों दिखाई दे रहे थे। एसीएस को स्वयं अपनी गाड़ी से इन खतरनाक रास्तों से गुजरना पड़ा, जबकि आम लोगों को कई महीनों से यह परेशानी झेलनी पड़ रही है।

अक्टूबर में संभव नहीं मेट्रो का कमर्शियल रन, नवंबर में उम्मीद

एम्स से सुभाष नगर के बीच मेट्रो की सवारी के लिए अगर अक्टूबर में उमीद कर रहे हैं तो थोड़ा और धैर्य बढ़ाइए। इस समय जो स्थितियां हैं, उसमें अक्टूबर में कमर्शियल रन होना संभव नहीं लग रहा है। ये नवंबर 2025 में ही हो पाएगा। हालांकि मेट्रो में सीएमआरएस की ओके रिपोर्ट के बाद मेट्रो रेल कारपोरेशन शासन पर ही अंतिम निर्णय की जिम्मेदारी देगा। यहीं से तय होगा कि मेट्रो रेल का कमर्शियल रन कब करना है। मेट्रो ट्रेन कमर्शियल रन के लिए कमिश्नर मेट्रो रेल सेटी का निरीक्षण अभी पूरा नहीं हुआ है। दूसरे चरण का निरीक्षण इस सप्ताह शनिवार या रविवार को हो सकता है। रविवार को निरीक्षण हुआ तो भी निरीक्षण का विशलेषण करने में समय लगेगा। ऐसे में कमर्शियल रन के लिए तय 15 अक्टूबर की समय सीमा निकलना निश्चित है। मेट्रो रेल कारपोरेशन की ओर से इससे शासन को अवगत करवा दिया गया है। उमीद की जा रही है कि दिवाली के बाद सीएमआरएस की ओके रिपोर्ट मिल जाएगी।

अफसरों का तीनों स्टेशनों को कवर्ड करने पर जोर

राजधानी में मेट्रो रेल के संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यात्रियों के साथ मेट्रो चलाने की स्थितियों का अंतिम निरीक्षण सीएमआरएस यानी कमिश्नर मेट्रो रेल सेटी की ओर से एक बार और होना है। इसी सप्ताह इसकी तारीख तय है। इस संबंध में बीते दिनों एमडी एस चैतन्य कृष्णा ने टीम के साथ एस से लेकर सुभाष स्टेशन, डिपो व अन्य कामों का जायजा लिया। निरीक्षण का पहला राउंड अभी दस दिन पहले हुआ था। दूसरे निरीक्षण में मेट्रो की मेन लाइन के साथ स्टेशनों पर सुरक्षा व यात्री सुविधाओं के इंतजामों को परखेंगे। ब्लू लाइन के जिन 3 मेट्रो स्टेशन को लेकर आपत्ति है, उन पर भी मंथन तेज हो गया है। पुलिस ने 14 में से तीन स्टेशन-कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल), लाल परेड ग्राउंड और रोशनपुरा स्टेशन को प्रस्तावित जगह से शिट करने का प्रस्ताव दिया था। मेट्रो अफसरों ने भी अपने तर्क और सुझाव दिए हैं। अफसरों का कहना है कि तीनों स्टेशनों को कवर्ड करने की बात कही गई है। दिल्ली में भी ऐसे स्टेशन हैं। हालांकि, संयुक्त बैठक में ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

कमजोर विजिबिलिटी में भी रनवे पर उतर सकेंगी फ्लाइट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजा भोज एयरपोर्ट पर नया और अपग्रेडेड सीएटी इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम कमीशन कर दिया गया है। अब एयरपोर्ट पर 350 मीटर तक की विजिबिलिटी में भी लाइट्स को सुरक्षित लैंड और टेक ऑफ कराया जा सकेगा। अभी यह सीमा 550 मीटर है।

दिसंबर से यह ऑपरेशनल होगा। यह सिस्टम लॉन्च करने वाला भोपाल प्रदेश का पहला एयरपोर्ट है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि इस अपग्रेड में टचडाउन जोन लाइट्स और रनवे सेंटर लाइन लाइटिंग जैसी उन्नत सुविधाएं शामिल हैं। पिछले 3 साल में भोपाल से 12 से 15 लाइटें लो विजिबिलिटी के कारण डायवर्ट हुई थीं। इतनी ही लाइट्स की उड़ान में भी देरी हुई। अब यात्रियों की सुरक्षा और समय पर उड़ानों को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। राजा भोज एयरपोर्ट पर 17 टैक्सी वे हैं। यानी यहां 17 विमान एक साथ पार्क किए जा सकते हैं। एयरपोर्ट अथारिटी आमतौर पर तीन या चार टैक्सी वे आपातकाल के लिए रिजर्व रखती है। यदि एयरलाइंस कंपनियां भोपाल में बेस स्टेशन बनाकर नाइट पार्किंग सुविधा का लाभ लेती हैं तो भी करीब एक दर्जन विमान रात को टैक्सी वे पर पार्क हो सकते हैं। ऐसे में यात्रियों को सुबह की उड़ानें लेट होने की आशंका से मुक्ति मिल जाएगी।

प्लाज्मा चोरी मामले में अब तक 6 गिरफ्तार

भोपाल। एम्स अस्पताल से प्लाज्मा चोरी का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने अब तक 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मास्टरमाइंड दीपक अपने संपर्क से प्लाज्मा की चोरी कराता था। जांच में यह खुलासा हुआ है कि एम्स अस्पताल के ब्लड बैंक में काम करने वाले एक कर्मचारी ने दीपक और उसके सहयोगियों को पूरा नेटवर्क को संपर्क कराया था। प्लाज्मा ब्लैक मार्केट में कई गुना दामों पर बेचा जाता था। मामले का कनेक्शन नासिक से जुड़ा है।

आरकेएमपी स्टेशन पर तीसरी पिट लाइन का काम अंतिम चरण में

अब भोपाल से लखनऊ के बीच जल्द दौड़ेगी वंदे भारत एक्सप्रेस, तैयारियां हो चुकी पूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस जल्द शुरू होने वाली है, क्योंकि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक तीसरी पिट लाइन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

भोपाल रेल मंडल के अनुसार, रेलवे बोर्ड ने भोपाल और लखनऊ के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में चार और कोच जोड़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस विस्तार के साथ, ट्रेन में अब शुरू में नियोजित 16 के बजाय 20 कोच होंगे, जिससे यात्रियों के लिए अधिक क्षमता और सुविधा मिलेगी।

भोपाल मंडल को रैक हो चुका है आवंटित : पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकारियों ने पुष्टि की कि भोपाल-लखनऊ मार्ग के लिए रैक पहले ही

भोपाल मंडल को आवंटित किया जा चुका है। हालांकि, परिचालन तभी शुरू होगा जब रानी कमलापति स्टेशन पर पिट लाइन पूरी तरह से चालू हो जाएगी। ठेकेदार द्वारा नव-निर्मित तीसरी पिट लाइन जल्द ही रेलवे को सौंपे जाने की उमीद है। भोपाल-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस के शुरू होने की आधिकारिक अधिसूचना अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में जारी होने की संभावना है। पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने हाल ही में चल रहे काम का निरीक्षण किया और अधिकारियों को ट्रेन सेवाओं के शीघ्र शुरू होने को सुनिश्चित करने के लिए काम में तेजी लाने का निर्देश दिया।

पुष्य नक्षत्र

भोपाल. दीप पर्व के करीब एक सप्ताह पहले ही पुष्य नक्षत्र पर बाजार में खूब रौनक है। सराफा, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, रियल एस्टेट सेक्टर सहित कपड़ा, बर्तन और साज-सज्जा की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। सोना-चांदी महंगा होने के बावजूद यहां भी खरीदी हो रही है। इस बार पुष्य नक्षत्र आज को शाम 4.28 बजे तक है।

बैंड की प्रस्तुति

भोपाल के शोध स्मारक में स्वराज संस्थान संचनालय संस्कृति विभाग द्वारा भारत तिब्बत सीमा द्वारा पुलिस बैंड की प्रस्तुति की गई।

चांदी महंगी फिर भी बेक्स की मूर्तियों की डिमांड ज्यादा, कम वजन वाले गहने ज्यादा खरीद रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सोना-चांदी के भाव भले ही आसमान पर हो लेकिन शहरवासियों की त्योहारी भक्ति कम नहीं हुई है। बाजार में पहली बार देवी-देवताओं की आकर्षक मूर्तियों की डिमांड सबसे ज्यादा है। इन मूर्तियों को बेक्स (मोम) से बनाकर उन पर चांदी का कवर चढ़ाया गया है। इसलिए ये चांदी की प्रतिमाएं काली नहीं पड़ेगी। इन्हें 99 फीसदी चांदी से तैयार करवाया गया है। ये साउथ से आयी है। दीपोत्सव से पहले सराफा बाजार में ग्राहकी तेज है। हालांकि, सोना-चांदी के भाव ज्यादा ऊपर हैं। फिर भी बजट बढ़ाकर इनकी खरीदी हो रही है। हां, कम वजन वाले गहने ज्यादा खरीदे जा रहे हैं। पूजन के लिए इस बार चांदी की (बेक्स पर बनी) मूर्तियां खूब बिक रही हैं।

सोने का भाव इस समय 1.22 लाख रुपए प्रति दस ग्राम एवं चांदी 1.53 लाख रुपए प्रति किलो के आसपास है। ऐसे में निवेश की दृष्टि सेडिमांड बनी हुई है। लगडी का मुंबई में चलन ज्यादा है। निवेशक इस चांदी की सिल्ली को पूजन के अलावा निवेश की दृष्टि से भी खरीदी करते हैं। कारोबारी राजेश वर्मा बताते हैं कि चांदी के भाव गत वर्ष से 50 फीसदी ज्यादा है लेकिन पूजन की थाली, मूर्तियां, कलश आदि की मांग बनी है।

बाजार में बोलने वाले सिक्के

दिवाली पर चांदी के सिक्के खरीदने और उपहार में देने की परंपरा को देखते हुए इस बार मार्केट में चांदी के बोलने वाले सिक्के बाजार में आए हैं। इन्हें खोलते ही भगवान की आरती सुनाई देती है। होलसेल सराफा एसोसिएशन के संजीव गर्ग गांधी ने बताया कि इन सिक्कों की डिमांड अच्छी है। उपहार में देने के लिए कस्टमर इनकी मांग कर रहा है।

छठ पूजा : अस्थायी चेंजिंग रूम, घाटों की मरम्मत होगी

भोपाल. सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर नगर निगम ने कमर कस ली है। पर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर से होने जा रही है। बीते दिनों महापौर मालती राय और विधायक भगवान दास सबनानी ने अधिकारियों के साथ शहर के प्रमुख घाटों का भ्रमण किया और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान नीलबड़, प्रेमपुरा, 5 नंबर स्टॉप, भीम नगर और शीतलदास की बगिया आदि घाटों और कुंडों का निरीक्षण किया गया। साथ ही घाटों की सफाई के निर्देश दिए। घाटों और पहुंच मार्गों की झाड़ी कटाई, बेहतर साफ-सफाई, पूजन सामग्री का पृथक संग्रहण। अस्थायी चेंजिंग रूम का निर्माण, पर्याप्त प्रकाश (लाइटिंग), पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी। अस्थायी जलाशयों की मरमत, पुताई, घाटों पर गिट्टी डाली जाएगी।

निगम कर्मचारियों की हाजिरी के लिए आधार फेस आरडी सिस्टम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नगरीय प्रशासन विभाग ने निगम आयुक्तों और स्मार्ट सिटी के सीईओ के बैठक बुलाई थी, जिसमें विभाग के एसीएस संजय शुक्ला ने आधार फेस आरडी ऐप आधारित ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू नहीं करने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। उपस्थिति में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ननि ने प्रभावी कदम उठाए हैं। अब कर्मचारियों की हाजिरी को लेकर चली आ रही फर्जीवाड़े की समस्या खत्म हो जाएगी। अब सभी नियमित, संविदा और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की हाजिरी केवल इसी ऐप के माध्यम से दर्ज की जाएगी। निगम के आईटी सेल ने इस प्रणाली को पुता बनाने के लिए मैपिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली है। अब प्रत्येक कर्मचारी अपनी निर्धारित कार्यस्थल से ही हाजिरी लगाए।

ये हैं प्रमुख बातें

पुराना सिस्टम बंद- अंगूठे के निशान और ऑफिस रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज करने की पुरानी प्रणाली को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

केन्द्रीयकृत निगरानी- सभी अधिकारी-कर्मचारियों के लिए एक केंद्रीकृत उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है, जिसकी निगरानी राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित 'एमपी अटेंडेंस पोर्टल' के माध्यम से की जाएगी।

पंजीकरण और प्रशिक्षण- सभी 21 जोन के कर्मचारियों का डेटा एकत्र किया जा रहा है और करीब 70 फीसदी कर्मचारियों का पंजीकरण पूरा हो चुका है। अपर आयुक्त वरुण अवस्थी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी विभागाध्यक्षों को नए सिस्टम का प्रशिक्षण दिया गया।

मेट्रो एंकर

'एक और छावा' उपन्यास पर कृति लोकार्पण एवं विमर्श का आयोजन

इतिहास के उपेक्षित लेकिन महत्वपूर्ण चरित्रों पर लेखन जरूरी- चौबे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्विद्यालय के कुलाधिपति वरिष्ठ कवि एवं कथाकार संतोष चौबे ने कहा कि इतिहास में ऐसे अनेक महत्वपूर्ण चरित्र हुए हैं जो महत्वपूर्ण तो हैं परंतु उपेक्षित पड़े हैं। उन अंधेरे में पड़े लोगों को खोज कर उन्हें पाठकों के सम्मुख लाना बहुत जरूरी है। आज यही महत्वपूर्ण कार्य 'एक और छावा' ऐतिहासिक उपन्यास ने किया है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज के छोटे बेटे राजाराम के जीवन चरित्र और संघर्ष यात्रा पर केंद्रित है। इसे कुमार सुरेश ने महत्वपूर्ण कार्य किया है ।

पाठक मंच केंद्र अयोध्या नगर, साहित्य अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल द्वारा अकादमी पुस्तकालय सभागार में कृति लोकार्पण एवं विमर्श का आयोजन किया गया था। आयोजन में स्वागत एवं आधार वक्तव्य डॉ विकास दवे,निदेशक साहित्य अकादमी ने देते हुए पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने ऐसे

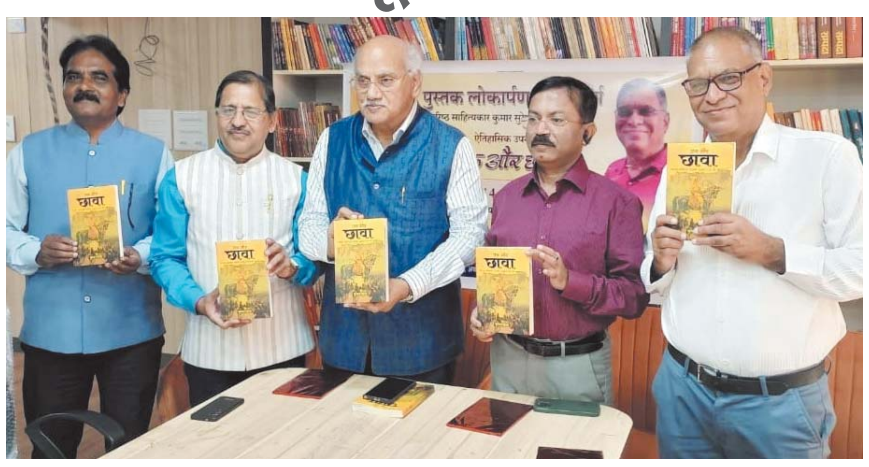

कार्यक्रमों की उपयोगिता बताई । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं सेवा निवृत्त प्रशासनिक अधिकारी मनोज श्रीवास्तव ने कुमार सुरेश के इस उपन्यास को पठनीय एवं जरूरी बताते हुए इसे इतिहास की महत्वपूर्ण पुस्तक बताते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में पुस्तक के लेखक कुमार सुरेश ने इस उपन्यास के कथानक के चयन , इसके लिए विविध पुस्तकों के अध्ययन और रचना प्रकिया के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

वरिष्ठ साहित्यकार विनोद जैन ने इस पुस्तक के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन पाठक मंच केंद्र के संयोजक घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। अंत में वरिष्ठ गीतकार जंग बहादुर श्रीवास्तव के निधन पर दो मिनट का मौन रख उन्हें भावभीनी श्रद्धांजली दी गईं। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत जबने, मनोज जैन मधुर, चरणजीत सिंह कुकरेजा, उल्हास तैलंग, डॉ. गौरीशंकर शर्मा गौरीश, मुकेश वर्मा, विनय उपाध्याय, राजेंद्र गट्टानी, वीके श्रीवास्तव, दिनेश मालवीय, मीनू पांडेय नयन, करुणा राजुरकर, मुजफ्फर इकबाल सिद्दीकी, गोकुल सोनी, राजकुमार बरुआ, संतोष कुमार जैन, अरविंद मिश्रा, बिहारी लाल सोनी अनुज सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित थे।

सीएम मोहन बोले- एमपी में चलेंगी 900 ई-बसें

472 ई-बसों के लिए डिपो बनाएंगे ननि, 500 बसों के टेंडर होना बाकी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश के ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, भोपाल, इंदौर नगर निगम क्षेत्रों में ई-बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाए जाने के बाद ई बसों का संचालन इन शहरों में होने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने स्वच्छता पुरस्कार वितरण के दौरान कहा कि प्रदेश में जल्दी ही नौ से अधिक ई बसें शुरू होंगी। इसके बाद अब नगरीय निकायों द्वारा चार्जिंग स्टेशन बनाने का काम तेज करने पर फोकस किया जाएगा। कुछ नगर निगमों में इसको लेकर टेंडर भी हो गए हैं।

भारत सरकार से मिलेंगी 972 ई बसें- नगरीय विकास और आवास विभाग को भारत सरकार ने 972 ई बसें एमपी के नगरीय निकायों के लिए देने का फैसला किया है। इसमें से 500 ई -बसों को पहले लॉट में दिया जाना था जिसमें से 472 ई बसों के लिए भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय ने टेंडर कर दिए हैं और इसकी जानकारी एमपी के नगरीय विकास विभाग को मिल गई है। इसके आधार पर एमपी में फर्स्ट फेज में जिन नगर निगमों में ई बसें चलाई जानी हैं उन नगर निगमों भोपाल, जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन के प्रशासन को डिपो बनाने के लिए कहा गया है ताकि बसों के चार्जिंग स्टेशन बनने पर उन्हें खड़ा करने और चार्ज करने का काम किया जा सके। ऐसा होने तक ई बसें आ भी जाएं तो उनका संचालन नहीं हो पाएगा। सेंकेंड फेज में एमपी के सागर, देवास और सतना नगर निगमों को ई बसें दी जाना है। इसलिए पांच बड़े शहरों के साथ इन शहरों के निगमायुक्तों को भी ई बसों के लिए डिपो का स्थान तलाशने और इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया जल्दी पूरी करने के निर्देश दिए जाएंगे ताकि वर्ष 2026 में शुरुआती दौर में ही इन स्टेशनों को शुरू कर ई बसों का संचालन शुरू किया जा सके।

500 बसों के लिए केंद्र टेंडर के बाद सूचना देगा

बताया जाता है कि 972 ई बसों में से 472 ई बसों के लिए टेंडर करने के बाद एमपी सरकार को लिखित में जानकारी दी गई है। लेकिन अभी 500 ई बसों के लिए टेंडर होने की जानकारी राज्य सरकार को नहीं मिली है। केंद्र सरकार इसके लिए भी जल्द प्रोसेस करेगा। भारत सरकार की ओर से मध्य प्रदेश को मिलने वाली 472 का टेंडर ग्रीन सेल कंपनी को मिला है। कंपनी मप्र में 10 डिपो बनाएगी। साथ ही छह शहरों को ई-बसें भी उपलब्ध कराएगी। कंपनी को भारत सरकार 12 साल के लिए ऑपरेशनल एंड मेंटेनेंस कास्ट भी देगी। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर के लिए आवंटित की गई बसों में से 472 बसें मिडी ई-बस (26 सीटर) और 110 मिनी ई-बस (21 सीटर) रहेंगी। ई-बसों का किराया नगर निगम द्वारा तय किया जाएगा। ई- बसों का संचालन जीसीसी (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर) मॉडल पर होगा।

यूथ कांग्रेस में डूबे 5.16 लाख युवाओं के 2.58 करोड़ रुपए

14.78 लाख ने मेंबरशिप फॉर्म भरे 3.5 लाख की सदस्यता भी अधर में

भोपाल, दोहपर मेट्रो

एमपी में यूथ कांग्रेस के चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करने वाले युवा नेताओं को बड़ी निराशा हाथ लगी है। वहीं, युवा कांग्रेस के सदस्य बनने के इच्छुक 5 लाख 16 हजार युवाओं की उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

दरअसल, 18 अप्रैल को एमपी में यूथ कांग्रेस के चुनावों की घोषणा के साथ ही सदस्यता शुरू हुई थी। ऑनलाइन मोड पर एप के जरिए कराई गई मेंबरशिप में हर नए सदस्य को 50 रुपए सदस्यता शुल्क भी अदा करना था। 20 जून से 19 जुलाई तक चलाए गए सदस्यता अभियान में 15,37,527 युवाओं ने सदस्यता फॉर्म भरे। इनमें से 63,153 युवाओं ने सदस्यता शुल्क जमा नहीं किया। सदस्यता शुल्क के साथ 14लाख 74 हजार 374 युवाओं ने मेंबरशिप के लिए फॉर्म भरे।

सिर्फ 6 लाख की मेंबरशिप ही मान्य हुई- 50 रुपए के सदस्यता शुल्क के साथ मेंबरशिप फॉर्म भरने वाले 14 लाख 74 हजार 374 युवाओं में मात्र 6 लाख 1,917 युवाओं की मेंबरशिप ही मान्य की गई है। 5,16,155 युवाओं की मेंबरशिप रिजेक्ट हुई है। 3,56,302 युवाओं के सदस्यता फॉर्म गलतियों के कारण होल्ड किए गए हैं।

एआई से कराया मेंबरशिप वेरिफिकेशन

युवा कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि इलेक्शन अथॉरिटी ने सदस्यता का वेरिफिकेशन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कराया है। एआई ने मामूली खामियों पर आवेदन रिजेक्ट और होल्ड कर दिए हैं।

- रिजेक्शन का कारण- डुप्लीकेट रिकॉर्ड, डुप्लीकेट फोटो, मोबाइल डुप्लीकेट, अवैध मेंबरशिप, इनवैलिड जन्मतिथि, उम्र सीमा पार होना, डुप्लीकेट आईडी
- होल्ड के कारण- गलत नाम, पिता का नाम गलत, जन्मतिथि मिसमैच, गलत मोबाइल

आलाकमान से शिकायत

पहली बार एमपी में रिकॉर्ड मेंबरशिप होने के बाद बड़े पैमाने पर रिजेक्शन और सदस्यता होल्ड किए जाने के मामले में युवा कांग्रेस नेता शिवराज यादव ने यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय चुनाव प्राधिकरण, प्रदेश प्रभारी से शिकायत की है। शिवराज का कहना है कि यदि इतने उत्साह के साथ मेंबरशिप कराई गई और 15 लाख के करीब सदस्य बने हैं तो 5 लाख से ज्यादा रिजेक्ट होना और साढ़े तीन लाख की सदस्यता होल्ड होना ये बड़ी चूक है। होल्ड आवेदनों को सुधारने के लिए मात्र 7 दिनों का समय दिया गया है।

2 करोड़ 58 लाख रुपए डूबे

50 रुपए प्रति सदस्य के हिसाब से जोड़ें तो जिन 5,16,155 युवाओं की मेंबरशिप रिजेक्ट हुई है। उनके द्वारा जमा किए गए सदस्यता शुल्क की राशि 2 करोड़ 58 लाख 7 हजार 750 होती है। दूसरी तरफ जिन 3,56,302 युवाओं की सदस्यता होल्ड की गई है। उनकी मेंबरशिप फीस का आंकड़ा जोड़ें तो करीब 1 करोड़ 78 लाख 15 हजार 100 होता है।

गलतियां सुधारने एप ही नहीं कर रहा काम

भारतीय युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण की ओर से होल्ड किए गए सदस्यता फॉर्म की गलतियों को सुधारने के लिए 17 अक्टूबर तक का समय दिया है। लेकिन, यूथ कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि वह एप काम ही नहीं कर रहा है। ऐसे में जिन 3,56,302 युवाओं की मेंबरशिप होल्ड है उनमें से 30त्न फीसदी के सुधार आवेदन दर्ज होकर मंजूर हो जाएं तो बड़ी बात होगी।

सोनोग्राफी सेवाओं के लिए 87 मेडिकल ऑफिसर हुए अधिकृत

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है कि 11 वर्षों के सतत् विभागीय प्रयासों और समर्पित कार्य के बाद पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत कम्पिटेंसी बेस्ड टेस्ट के परिणाम घोषित किए गए हैं। मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा घोषित परिणामों में 87 चिकित्सक ने सफलता प्राप्त की है। अब ये सभी पात्र चिकित्सक सोनोग्राफी के क्षेत्र में वैध रूप से चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान कर सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। प्रशिक्षित एवं प्रमाणित चिकित्सक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण अल्ट्रासाउंड सेवाएं उपलब्ध कराकर गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच सेवाओं को सशक्त करेंगे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सफल हुए सभी चिकित्सकों को बधाई देते हुए उनसे अपेक्षा की कि वे इस उपलब्धि को समाजसेवा का माध्यम बनाते हुए प्रदेश के प्रत्येक कोने में सेवा की भावना से कार्य करें। उन्होंने कहा कि आप सभी चिकित्सक प्रदेश की स्वास्थ्य सुरक्षा के अग्रदूत हैं, आपकी सेवा भावना और दक्षता से ही 'स्वस्थ मध्यप्रदेश' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा।

कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के 56% पद खाली

MPPSC की भर्ती प्रक्रिया तीन साल बाद भी अधूरी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश के कॉलेजों में संसाधन के साथ-साथ शिक्षकों की भी कमी है। दो साल के अंदर 32 नए कॉलेज जरूर खोले गए, लेकिन शिक्षकों की भर्ती नहीं की गई। प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में 76 फीसद प्राध्यापक, 56 फीसद सहायक प्राध्यापक के पद खाली हैं। वहीं, प्राचार्यों के पद भी खाली हैं।

90 फीसद से अधिक कॉलेज प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे संचालित हो रहे हैं। फिर भी मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा तीन साल पहले 1,669 पदों पर निकली भर्ती प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हुई है। एमपीपीएससी की सुस्त कार्यप्रणाली ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। सहायक प्राध्यापक-2022 की भर्ती परीक्षाओं के लिए साक्षात्कार और दस्तावेज सत्यापन के बाद अब भी प्रक्रिया चल रही है। कई विषयों के लिए शेड्यूल भी जारी नहीं हुआ है। नतीजा यह है कि 571 सरकारी कॉलेजों में पढ़ाई अतिथि विद्वानों या प्रभारी प्राचार्यों पर है। कई कॉलेजों में एक भी नियमित शिक्षक नहीं है। बता दें, सहायक प्राध्यापक के स्वीकृत 12,895 पदों में से 7,284 पद खाली हैं। इसी तरह प्राध्यापकों के 848 स्वीकृत पद हैं। इनमें 206 पद भरे हुए और 642 खाली हैं।

प्राध्यापकों के 75 फीसद पद खाली प्रदेश के शासकीय कॉलेजों में प्राध्यापकों की 75 फीसद पद खाली हैं। कुल 848 पद स्वीकृत हैं। इनमें 206 कार्यरत हैं, जबकि 642 पद खाली हैं। एमपीपीएससी ने प्राध्यापकों की सीधी भर्ती 2011-12 में की थी। इसके बाद से प्राध्यापकों के पद पर कोई विज्ञापन जारी नहीं किया। प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे कालेज प्रदेश में यूजी के 469 कॉलेजों में 10 पद पर प्राचार्य कार्यरत हैं, बाकी 459 पदों पर प्रभारी प्राचार्य हैं। इसी तरह पीजी कॉलेजों में 98 स्वीकृत पद में से सिर्फ पांच प्राचार्य पद भरे हुए हैं, बाकि 93 प्रभारी प्राचार्य पदस्थ हैं।

प्रदेश भर का आंकड़ा

प्रदेश में कॉलेजों की संख्या - 571
सहायक प्राध्यापकों के स्वीकृत पद : 12,895
कार्यरत सहायक प्राध्यापकों की संख्या : 5,611
खाली पदों की संख्या : 7,284
प्राध्यापकों के स्वीकृत पद : 848
पद कार्यरत पद : 206
पद खाली पद : 642
पद यूजी कालेज में प्राचार्य के स्वीकृत पद : 469
नियमित प्राचार्य : 10
खाली पद : 459
पीजी कालेज में प्राचार्य के स्वीकृत पद : 98
कार्यरत : पांच
खाली पद : 93
ग्रंथपाल के स्वीकृत पद: 582
भरे हुए पद : 247
खाली पद : 335
क्रीड़ा अधिकारी के स्वीकृत पद : 543
भरे हुए पद : 227
खाली पद : 316

मोदी-ट्रंप की ट्रेड डील पर चर्चा

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील किसी अंजाम पर नहीं पहुंची है, लेकिन बातचीत का जारी रहना सकारात्मक संकेत है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच वार्ता में ट्रेड का जिक्र आना बताता है कि मतभेद कम हो रहे हैं। हालांकि ट्रंप के रवैये को देखते हुए इस बारे में पक्के तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

सही दिशा में प्रगति– दोनों नेताओं के बीच गाजा शांति समझौते पर बात होनी थी, पर ट्रेड डील पर भी चर्चा हुई। दोनों तरफ का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल लंबे समय से डील पर बात कर रहा है। रंप ने इस मुद्दे पर भले कई बयान दिए हों, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री की तरफ से डील पर कभी कुछ नहीं कहा गया। अब उनकी तरफ से जिक्र होने का यही मतलब निकलता है कि बात सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

जल्दबाजी नहीं– भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए तीन साल से बातचीत चल रही थी। तब जाकर इस जुलाई में पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर हो सके और अब भी इसे लागू करने में यह पूरा साल गुजर जाएगा। ऐसे में भारत-अमेरिका समझौते के तुरंत फाइनल हो जाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए और वह भी तब, जब कुछ मुद्दों पर पेच फंसा हुआ है।

बीच का रास्ता– अमेरिकी शिकायत भारत से होने वाले व्यापार घाटे, कृषि व डेयरी उत्पाद और रूसी तेल को लेकर है। अब ऐसा लग रहा है कि बीच का रास्ता निकलने लगा है। भारत ने अमेरिका से अधिक मात्रा में तेल, गैस और एथेनॉल खरीदने का प्रस्ताव दिया है।

लचीलापन चाहिए– हालांकि, समझौता तभी फाइनल हो सकता है और तभी उस पर सफलतापूर्वक अमल किया जा सकता है, जब दोनों पक्ष लचीला रुख अपनाएं। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को भारतीय जरूरतों को समझना होगा। अमेरिका के साथ डील का मतलब यह नहीं हो सकता कि भारत अपने दूसरे व्यापारिक सहयोगियों को किनारे कर दे।

दोनों की जरूरत– ट्रंप के दौर में अमेरिकी पॉलिसी अनिश्चित रही है, तो बातचीत की मेज पर भारतीय वार्ताकार अब भी रिलैक्स नहीं हो सकते। उन्हें मजबूती से पक्ष रखना होगा और US को समझाना होगा कि यह डील दोनों ही देशों के लिए जरूरी है। यह तभी हो सकती है जब संवाद, सहयोग, एक-दूसरे की चिंताओं की समझ और आपसी सम्मान हो

कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अघोषित आपातकाल की तैयारी!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने शताब्दी वर्ष का उत्सव मना रहा है। समाज में संगठन के योगदान और उसके अनुशासन, सेवा व राष्ट्रभाव की भावना को लेकर देशभर में कार्यक्रम आरंभ हुए हैं। लेकिन अभी इस उत्सव की गूँज शुरू ही हुई कि कर्नाटक की राजनीति में एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। राज्य सरकार के मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखकर सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, पार्कों और मंदिरों में आरएसएस की शाखाओं और कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। चार अक्टूबर को लिखे गए इस पत्र को मुख्यमंत्री कार्यालय ने 12 अक्टूबर को सार्वजनिक किया।

सिद्धारमैया ने मुख्य सचिव शालिनी राजनिश को पत्र भेजकर मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। इससे साफ हो गया कि कर्नाटक सरकार अब संघ के विरुद्ध सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

आपत्ति वैचारिक या राजनीतिक?: प्रियांक खरगे का आरोप है कि आरएसएस सरकारी व सहायता प्राप्त संस्थानों में बिना अनुमति शाखाएं चला रहा है, जहां लाठी लेकर नारेबाजी की जाती है और बच्चों के दिमाग में नफरत भरी जाती है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि ये गतिविधियां संविधान की भावना और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ हैं, इसलिए इन पर तत्काल रोक लगाई जाए। दरअसल ये पहली बार नहीं जब प्रियांक ने ऐसा बयान दिया हो। जुलाई 2025 में उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आई तो कानूनी प्रक्रिया के तहत पूरे देश में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाएगी। उस वक्त भी भाजपा ने इसे हिंदू-विरोधी मानसिकता का प्रतीक बताया था। अब वही विचार कर्नाटक में सरकारी दस्तावेज का रूप लेता दिख रहा है।

हर बार और मजबूत होकर लौटा: इस संबंध में उल्लेखित है कि आरएसएस का इतिहास इस बात का गवाह है कि प्रतिबंधों ने इसे कमजोर नहीं किया, यह ऐसे कठिन दौर में अत्यधिक संगठित रूप में ही लोगों के सामने आया है। आपको बतादें कि संघ पर पहला प्रतिबंध (1948): महात्मा गांधी की हत्या के बाद। नाथूराम गोडसे के कथित संबंध के नाम पर 4 फरवरी 1948 को बैन लगाया गया था, लेकिन 18 महीने बाद जांच में संघ निर्दोष पाया गया और 12 जुलाई 1949 को बैन हटा। दूसरा प्रतिबंध (1975) में इंदिरा गांधी की इमरजेंसी में लगा। उस दौरान आरएसएस को अवैध घोषित किया गया, हजारों स्वयंसेवक जेल में ठूंस दिए गए, लेकिन इमरजेंसी खत्म होते ही संघ पहले से अधिक सक्रिय रूप में लौटा और जनसंघ-जनता पार्टी के पुनर्गठन में निर्णायक भूमिका निभाई। तीसरा प्रतिबंध (1992) में बाबरी विध्वंस के बाद पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार ने आरएसएस, विहिप और बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाया, जो 1993 में अदालत से हट गया क्योंकि कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

हर बार संघ ने शांतिपूर्ण तरीके से जवाब दिया। उसने कभी हिंसा का सहारा नहीं लिया, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्रनिर्माण के कार्यों से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। चीन युद्ध से लेकर कोविड महामारी तक, हर संकट में संघ के स्वयंसेवक देश के आम जन की सेवा करते हुए और उन्हें हर संभव मदद पहुंचाते हुए ही नजर आए हैं। वे राहत कार्यों में अग्रिम पंक्ति में रहते हैं। ऐसे में ये सवाल स्वाभाविक तौर पर उठता है कि क्या कर्नाटक सरकार सचमुच संवैधानिक आधार पर कदम उठा रही है या फिर यह एक वैचारिक द्वेष से प्रेरित राजनीतिक रणनीति है?

BanRSS अभियान और वैचारिक ध्रुवीकरण: सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से #BanRSS ट्रेंड कर रहा है। वामपंथी संगठनों, सेकुलर लॉबी और इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़े कई हैंडल इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। आरोप वही पुराने हैं; फासीवाद, संघी मानसिकता, हिंदू राष्ट्रवाद। दिलचस्प यह है कि इसी दौरान कुछ निष्क्रिय या प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े लोग भी इस मुहिम को हवा दे रहे हैं। जिस तरह यह ट्रेंड संगठित तरीके से फैलाया गया है, वह यह संकेत देता है कि यह केवल प्रियांक खरगे का व्यक्तिगत विचार नहीं बल्कि एक सुविचारित वैचारिक मोर्चा है।

'शाखा' से डर क्यों: संघ की शाखाएं वर्षों से सार्वजनिक स्थानों पर लगती रही हैं; स्कूल के मैदान, पार्क या मंदिर परिसर, जहां न तो राजनीति होती है और न ही कोई प्रचार। वहां अनुशासन, योग, देशभक्ति और समाज सेवा की भावना सिखाई जाती है। फिर भी इन्हें निशाने पर लेना बताता है कि समस्या गतिविधियों से नहीं, विचार से है। संघ की विचारधारा सर्वे भवन्तु सुखिनः के साथ ही एकता और आत्मगौरव की भावना जगाती है। यही वह विचार है जो विभाजित राजनीति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता हुआ दिखाई देता है। कर्नाटक में कांग्रेसी सरकार का ये कदम बता रहा है कि कांग्रेस और वामपंथी तबके को संघ की सामाजिक पकड़ असहज करती है। जबकि संघ न तो चुनाव लड़ता है, न सत्ता की होड़ करता है। उसकी ताकत आम जन से सीधे संवाद और समाज सेवा से आती है, जो राजनीति से परे है।

दशहरा और दिवाली के बीच के ये बीस दिन: एकात्मता और समरसता का काल

रमेश शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय संस्कृति में हर पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि गहन सामाजिक, आध्यात्मिक और नैतिक संदेश देने वाला माध्यम है। विजयादशमी और दीपावली के बीच आने वाले बीस दिन इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। ये केवल कैलेंडर की बीस तिथियां नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने, समरसता और सहयोग की भावना जगाने की अवधि हैं। यह वही काल है जब श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे थे। रामजी की इस वापसी यात्रा और दीपावली की तैयारी के बीच गहरा सांस्कृतिक और मानवीय संबंध है।

रावण-वध के बाद का काल: रामचरितमानस के अनुसार रावण-वध अश्विन शुक्ल दशमी को हुआ था, जिसे हम आज विजयदशमी के रूप में मनाते हैं। किंतु श्रीराम अयोध्या लौटे कार्तिक अमावस्या को, अर्थात् बीस दिन बाद। यह विलंब उत्सव या विश्राम का नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण का था।

रामजी लंका-विजय के पश्चात केवल दो दिन वहीं ठहरे, एक दिन रावण और उसके परिजनों के अंतिम संस्कार हेतु, और अगले दिन विभीषण के राज्याभिषेक के लिए। इसके बाद उन्होंने विभीषण से अनुमति लेकर पुष्पक विमान से उत्तर की ओर प्रस्थान किया। परंतु वे सीधे अयोध्या नहीं लौटे। उन्होंने उसी मार्ग से यात्रा की, जिससे वे वनवास में और लंका युद्ध के लिए गए थे। रामजी हर आश्रम, हर ग्राम, हर वन्य समाज से पुनः मिले। ऋषियों, तपस्वियों, वनवासियों, भील, निषाद, किरात सभी से संवाद किया। यह यात्रा केवल वापसी नहीं थी; यह पूरे भारतवर्ष को एक सूत्र में बांधने की प्रतीक थी। उन्होंने हर समाज-समूह को साथ चलने का निमंत्रण दिया, और अनेक समाज प्रमुख पुष्पक विमान में उनके साथ चले। इन अठारह दिनों में रामजी ने समाज को यह संदेश दिया कि यदि समाज संगठित रहेगा, तो कोई भी आसुरी शक्ति उसे पराजित नहीं कर सकती।

रामजी का संदेश, आभार और एकता: रामजी ने इस यात्रा के माध्यम से यह भी बताया कि जो लोग कठिन समय में साथ देते हैं, उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। निषादराज, सुग्रीव, विभीषण, शबरी, जटायु जैसे सहयोगियों के प्रति उनका सम्मान इसका प्रमाण है। उन्होंने यह आदर्श प्रस्तुत किया कि जाति, वर्ग, वर्ण या स्थिति कोई भी हो, सहयोग और सद्भाव ही सच्चा धर्म है।

समाज की एकता का उत्सव: रामजी के अयोध्या लौटने पर अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया। यही परंपरा आगे चलकर दीपावली के रूप में विकसित हुई। परंतु दीपावली केवल दीप प्रज्ज्वलन का त्यौहार नहीं है, यह समाज के हर वर्ग की सहभागिता का उत्सव है। यही कारण है कि दीपावली के दिन केवल लक्ष्मी पूजन नहीं होता, बल्कि यह सम्पूर्ण समाज के परिश्रम और सहभागिता का सम्मान है। यह पर्व बताता है कि हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पेशे, वर्ग या स्थान से जुड़ा हो, समाज की समृद्धि में समान रूप से भागीदार है। दीपावली की तैयारी दशहरे के तुरंत बाद प्रारंभ होती है। घरों की सफाई, लिपाई-पुताई, नई वस्तुओं की खरीदारी, घरों और बाजारों की सजावट, इन सबमें समाज के हर वर्ग का श्रम और योगदान होता है।

संस्कृति की समरस दृष्टि: भारतीय परंपरा में वसुधैव कुटुम्बकम् केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य है। यहाँ हर प्राणी को समान सम्मान देने की भावना है। रामायण इसका सजीव उदाहरण है; रामजी के मित्र सुग्रीव, निषादराज, विभीषण और हनुमान भिन्न समाजों से थे, परंतु सब समान सम्मान के पात्र थे। भारतीय संस्कृति ने कभी जन्म, वर्ग या वर्ण के आधार पर श्रेष्ठता नहीं मानी। यहाँ कर्म और गुण ही पहचान हैं। इसलिए चाहे वनवासी हों या नगरवासी, किसान हों या व्यापारी, सब एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार वृक्ष की शाखाएँ अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं, पर मूल एक ही होता है, उसी प्रकार विविध समाज और समुदाय मिलकर एक ही मानवता का वृक्ष बनाते हैं।

रामायण का सन्देश और समाज: युग बदल गए, परंतु रामायण का यह सन्देश आज भी प्रासंगिक है। विजयादशमी से दीपावली तक का यह काल हमें याद दिलाता है कि समाज का सच्चा बल संगठन, प्रेम और परस्पर सहयोग में है। यदि समाज विभाजित होगा, तो दानवी शक्तियां प्रबल होंगी; यदि संगठित रहेगा, तो सुसंस्कृत जीवन सुरक्षित रहेगा। आज भी जब हम दीप जलाते हैं, तो केवल श्रीराम की अयोध्या वापसी नहीं, बल्कि उसी एकता और समरसता की ज्योति जलाते हैं जो भारत की आत्मा है। दीपावली का यह प्रकाश हमें याद दिलाता है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह कारीगर हो, किसान हो, व्यापारी हो या गृहिणी राष्ट्र के इस दीपोत्सव का समान सहभागी है।

अतः विजयादशमी से दीपावली तक के बीस दिन केवल धार्मिक या पौराणिक महत्व के नहीं हैं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से यह आत्मसात करने का काल है। यही अवधि हमें सिखाती है कि उत्सव का अर्थ केवल आनंद नहीं, बल्कि परिश्रम, सहयोग और समरसता है। रामजी ने लंका विजय के बाद जिस एकात्मता का संदेश दिया, वही आज दीपावली की तैयारी में झलकता है; सब एक-दूसरे के पूरक हैं, सबकी आवश्यकता है, और सबका सम्मान समान है। यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है, यही राष्ट्र की शक्ति है। इस प्रकार दशहरा और दीपावली के बीच के ये बीस दिन केवल दो पर्वों के बीच का अंतराल नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और समाज को एक सूत्र में बाँधने की जीवंत अवधि हैं, जो हमें यह सिखाती है कि जब सब एक-दूसरे के दीप बन जाएँ, तभी सच्ची दीपावली होती है।

सुविचार

किसी भी जीवन में आपका एकमात्र दायित्व स्वयं के प्रति सच्चा होना है।
-अज्ञात

निशाना

ट्रंप की मंकी जंप..!

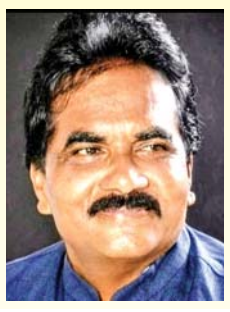

-घनश्याम मैथिल 'अमृत'

हवा हवाई बातें दिल में कितने तूफान
दुनियां में अकेला आदमी
मैं एक बस महान,
कितने ही मैंने रुकवाए हैं
इस दुनियां के युद्ध,
मानो यह मेरी बात, सब
मुझे करो मत क्रुद्ध,
रोके हैं मैंने रोके वार कह
रहा मैं बार-बार,
नोबल पीस अवॉर्ड का मैं
ही था सच्चा हकदार,
घातक हथियारों का
सौदागर मैं हूं शांति दूत,
सिर पे मेरे सवार ट्रेड टैरिफ
का भी भूत,
प्यार से नहीं दुनियां को अपने
चाबुक से समझाऊंगा,
धमकी और धौंस से लोगों को
मैं अपना बनाऊंगा,
ताश के खेल में पत्ता बड़ा
होता है कार्ड ट्रंप,
मगर यहां जोकर जैसी
यह मार रहा जंप,
न दूसरे हैं सुख से न खुद को है चैन,
बहुत हुआ अब बस भी करो ओ !
मंकी -मैन

हाईजीन कैम्पेन

हाइवे पर गंदे टॉयलेट की शिकायत करें, एक हजार का फास्टैग पाएं फ्री

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ने हाईवे पर मौजूद टॉयलेट साफ रखने के लिए एक अनोखी पहल शुरू की है। दरअसल अगर आप टोल प्लाजा के गंदे टॉयलेट की शिकायत करेंगे, तो आपको 1000 रुपये का इनाम मिलेगा। यह इनाम कैश नहीं बल्कि फास्टैग में रिचार्ज के तौर पर मिलेगा। इससे आपकी आगे की यात्रा थोड़ी सस्ती जरूर हो जाएगी। इसे खास अभियान को 10 अक्टूबर को लॉन्च किया गया था और यह 31 अक्टूबर तक चलेंगा।

बता दें कि स्वच्छ राजमार्ग अभियान में सिर्फ उन शौचालयों को शामिल किया जाएगा जो एनएचएआई द्वारा बनाए या संचालित किए जाते हैं। इस अभियान में पेट्रोल पंप, ढाबे या अन्य किसी निजी टॉयलेट को शामिल नहीं किया जाएगा। इसका मतलब है कि 31 अक्टूबर तक अगर आपको अपने सफर के दौरान एनएचएआई द्वारा बनाए या संचालित किए जा रहे किसी शौचालय में गंदगी मिलती है, तो आप उसकी शिकायत राजमार्ग यात्रा ऐप पर कर पाएंगे। आपकी शिकायत सही पाए जाने पर आपको फास्टैग रिचार्ज के तौर पर 1000 रुपये का इनाम मिलेगा।

ऐसे करें शिकायत: Rajmargyatra App को ऐप स्टोर या गूगल प्ले स्टोर से अपने फोन पर डाउनलोड कर लें। इसे आप अंग्रेजी, हिंदी और 13 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐप में लॉग इन करने के बाद शिकायत करें पर टैप करें। इसके बाद गंदे शौचालय की जियो-टैग्ड फोटो अपलोड कर अपनी समस्या का विवरण दे दें। यहां ध्यान रहे कि फोटो साफ और स्पष्ट होनी चाहिए। आपके शिकायत करने के बाद AI और NHAI की फील्ड टीम द्वारा 48 घंटों के अंदर जांच होगी। जांच टीम द्वारा शिकायत कंफर्म होने पर आपका इनाम फास्टैग वॉलेट में क्रेडिट हो जाएगा।

कुछ शर्तें भी रहेंगी: इस अभियान के तहत एक शख्स सिर्फ एक बार इस इनाम को हासिल कर सकता है। यह इनाम कैश के रूप में नहीं बल्कि शिकायत करने वाले की प्रोफाइल से लिंक फास्टैग में क्रेडिट हो जाएगा। ऐसे में यह अभियान वेरिफाइड फास्टैग से लिंक्ड प्रोफाइल वाले यूजर्स के ही काम आ सकता है। बता दें कि राजमार्ग यात्रा ऐप के कुछ और भी फीचर बेहद काम के हैं। जैसे कि लाइव टोल अपडेट फीचर से आप हर टोल प्लाजा की रीयल-टाइम जानकारी देख सकते हैं। इसकी मदद से आपको पहले ही पता चल जाएगा कि टोल पर आपको कितना चार्ज देना होगा और वहां कितनी भीड़ है। इसके अलावा आप इस ऐप पर मौजूद हाईवे हेल्पलाइन ट्रैकर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर नजदीकी पुलिस, एंबुलेंस या टो सर्विस से तुरंत संपर्क कर सकते हैं।

मेडिकल रिसर्च

खास क्रंची स्नैक से कम हो सकता है कोलन कैंसर का रिस्क, डाइट में करें शामिल

कोलोरेक्टल कैंसर दुनिया भर में एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है। साल 2020 में, इस कैंसर के कारण 9 लाख 30 हजार से ज्यादा मौतें हुईं और इसके 19 लाख नए मामले सामने आए। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि 2040 तक, इस कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या 73त्न तक बढ़ सकती है, जो लगभग 16 लाख प्रति वर्ष हो जाएगी।

चिंता की बात यह है कि यह कैंसर अब युवाओं में भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसका एक मुख्य कारण आजकल के लोगों का गलत लाइफस्टाइल है। हमारे खान-पान की आदतें इस बीमारी के जोखिम को बढ़ा या घटा सकती हैं। हालांकि, रिसर्च (Ref) में सामने आया है कि कुछ चीजों को डाइट में शामिल करके आप इस गंभीर कैंसर के जोखिम को कम कर सकते हैं।

नट्स और नट बटर से रिस्क आधा: एक स्वादिष्ट स्नैक आपको कोलन कैंसर से बचा सकता है? एक खास तरह का स्नैक है, जिसमें मौजूद इंग्रीडिएंट्स कोलन कैंसर के खतरे को कम करने और बीमारी के दोबारा होने की आशंका को घटाने से जुड़े हैं। एक रिसर्च में पाया गया है कि जो लोग अपनी डाइट में नट्स और नट बटर (Nut Butter) शामिल करते हैं, उनमें कोलन कैंसर के दोबारा होने की संभावना लगभग आधी हो जाती है। यह महत्वपूर्ण जानकारी जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी में प्रकाशित हुई थी।

डाइट में बदलाव की सलाह: अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (ASCO) के अध्यक्ष, डॉ. डैनियल एफ. हेस के अनुसार, कैंसर के इलाज के दौरान, मरीज की बेसिक हेल्दी डाइट को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। डाइट में एक छोटा सा बदलाव जैसे कि ट्री नट्स (Tree Nuts) खाना मरीज के लंबे समय के स्वास्थ्य पर बहुत बड़ा प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, उन्होंने यह राय दी कि कोलोरेक्टल कैंसर के इलाज की प्लानिंग बनाते समय, डॉक्टर्स और मरीजों दोनों को नट्स के सेवन और एक हेल्दी डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए।

रिसर्च स्टडी में हुआ साबित: इस रिसर्च स्टडी में स्टेज 3 कोलन कैंसर से पीड़ित 826 मरीजो की जांच की गई थी। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन मरीजों ने हर हफ्ते लगभग 56 ग्राम या उससे अधिक नट्स खाए, उनमें कैंसर के दोबारा होने की संभावना 42त्न कम और मृत्यु की संभावना 57त्न कम थी, बशर्ते वे नट्स न खाने वाले मरीजों की तुलना में हों। डाना फार्बर कैंसर संस्थान में क्लिनिकल फेलो और इस शोध के मुख्य लेखक, डॉ. टेमिडायो फडेलू ने जानकारी दी कि पहले के कई अध्ययनों में हृदय रोग और डायबिटीज के मरीजों के लिए अखरोट खाने के फायदे साबित हो चुके हैं। इसीलिए, शोधकर्ताओं ने यह जानना जरूरी समझा कि क्या ये फायदे कोलोरेक्टल कैंसर के मरीजों पर भी लागू होते हैं या नहीं।

फैस्टिव अलर्ट

ऑनलाइन गेजेट्स की शॉपिंग में सावधानी बरतें, धोखाधड़ी से बचेंगे

इस फेस्टिव सीजन में स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटॉप वगैहरा खरीद रहे हैं तो कुछ सावधानियां अपनाकर नुकसान होने से बचा सकते हैं। सेल या त्योहार के समय पर बड़ी तादाद में ऑर्डर प्लेस किए जाते हैं, ऐसे में धोखाधड़ी करने वालों के लिए लोगों को चूना लगाना भी आसान हो जाता है। कुछ समय पहले भारत में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने महंगे गैजेट्स को लेकर अपनी एक्सचेंज पॉलिसी में कुछ बदलाव किया था। इसकी वजह से अब अगर प्रोडक्ट खरीदने पर उसमें कोई समस्या आती है, तो उसे ठीक करने या बदल कर देने की जिम्मेदारी उस प्लेटफॉर्म की नहीं होगी, जिससे आपने उसे खरीदा है। इसका मतलब है कि अगर आप सेल में एक iPhone खरीदते हैं और उसमें कोई परेशानी आती है, तो Amazon या Flipkart जैसे प्लेटफॉर्म इसकी जिम्मेदारी नहीं लेंगे। इसके लिए आपको कंपनी के सर्विस सेंटर के चक्कर मारने पड़ेंगे। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि प्रोडक्ट को रिसीव करते समय कुछ बुनियादी बातों का ध्यान रखा जाए।

प्लेटफॉर्म ने ओपन बॉक्स डिलीवरी के तरीके को अपनाया है। जहां डिलीवरी के समय आपको प्रोडक्ट खोल कर दिखाया जाता है और अगर आप संतुष्ट हों, तभी आपको उस कोड को शेयर करके अपना प्रोडक्ट रिसीव करना होता है। हालांकि कई बार डिलीवरी देने आया शख्स आप से उस कोड कि डिमांड पहले ही कर सकता है। कई बार लोग बिना प्रोडक्ट को देखे ही अपना डिलीवरी कोड दे भी देते हैं। अपने ऑनलाइन खरीदे प्रोडक्ट की डिलीवरी लेते समय आपको इस गलती से बचना है। डिलीवरी के समय आप प्रोडक्ट को अच्छे से परख लें। आप अपने प्रोडक्ट को न सिर्फ बाहर से बल्कि चला कर भी देख सकते हैं। इसके लिए डिलीवरी देने आया शख्स इंकार नहीं कर सकता। किसी भी तरह का शक होने पर आप कोड देने से मना कर सकते हैं और डिलीवरी लेने से इंकार कर सकते हैं। इससे आपका पैसा सुरक्षित रहता है और आपको सर्विस सेंटर के चक्कर नहीं मारने पड़ते।

बॉक्स की सील और डिटेल्स चेक करें: अपने फोन या किसी अन्य प्रोडक्ट की डिलीवरी लेते समय ध्यान से चेक करें कि फोन की सील अच्छे से लगी है या नहीं। अगर बॉक्स पर सील न हो या बॉक्स की हालत ठीक न लगे, तो डिलीवरी लेने से इंकार कर दें। इसके अलावा बॉक्स से फोन या टैब जैसे प्रोडक्ट को बाहर निकाल लेने के बाद उसके IMEI नंबर को बॉक्स पर दिए IMEI नंबर से जरूर मैच कर लें।

वीडियो रिकॉर्ड जरूर करें: कभी भी किसी महंगे प्रोडक्ट या गैजेट की डिलीवरी लेते समय उसका वीडियो जरूर बनाएं। अगर आपको ओपन बॉक्स डिलीवरी मिलने वाली है, तब भी आप डिलीवरी देने आए शख्स और बॉक्स को खोलने के पूरे प्रोसेस का वीडियो जरूर बनाएं। इससे आपके पास अपनी बात रखने के लिए एक पुख्ता सबूत मौजूद रहता है। अगर किसी वजह से आपके पैसे फंसते हैं, तो आप ई-कॉमर्स कंपनी को वह वीडियो दिखा कर अपने पैसों की मांग कर सकते हैं।

कोठी बाजार क्षेत्र में घेराबंदी कर अवैध शराब बेचने वालों पर कार्रवाई

अवैध शराब कारोबारियों पर नकेल पिता-पुत्र सहित कई पर मामला दर्ज

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनप्रतिनिधियों के ज्ञापन और लगातार शिकायतों के बाद पुलिस आखिरकार हरकत में आ गई है। जिले में सक्रिय अवैध शराब माफिया पर शिकंजा कसते हुए कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसपी साईं कृष्ण एस. थोटा के निर्देशन में हुई इन कार्रवाईयों से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।पुलिस दो अलग अलग स्थानों पर दबिश दी है पहली कार्रवाई कोठी बाजार क्षेत्र में की गई, जहां पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी करते हुए अवैध शराब बेचने वाले पिता-पुत्र की जोड़ी पर शिकंजा कसा।

पुलिस ने मौके से आयुष लुटारे को गिरफ्तार किया, जबकि उसका पिता सुरेंद्र लुटारे फरार हो गया। दोनों लंबे समय से इस इलाके में अवैध शराब का नेटवर्क चला रहे थे। तलाशी के दौरान पुलिस को देशी-विदेशी शराब, बीयर और व्हिस्की समेत कुल 197 लीटर अवैध शराब बरामद हुई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी आयुष लुटारे के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आयुष को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है, वहीं फरार आरोपी सुरेंद्र लुटारे की तलाश जारी है।वही दूसरी कार्रवाई कचरापट्टी क्षेत्र में कोतवाली पुलिस ने की है जहां एक निर्माणाधीन मकान से 45 लीटर देशी मदिरा जब्त की गई। अनुमानित कीमत 15 हजार रुपए बताई जा रही है। जांच में पता चला कि यह शराब नीतेश उर्फ रीतेश कुचबंदिया द्वारा छिपाकर रखी गई थी। पुलिस के पहुंचते ही आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

97 हजार रुपए की 241 लीटर शराब की जब्त

दोनों मामलों में कुल 241.99 लीटर शराब जब्त हुई, जिसकी कुल कीमत ?97,380 आंकी गई है। कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर ने बताया कि दोनों मामलों में फरार आरोपियों की तलाश जारी है। गौरतलब है कि हाल ही में विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव सहित भाजपा कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसपी के नाम एडिशनल एसपी को ज्ञापन सौंपा था। इस ज्ञापन में जिले में अवैध शराब, जुआ और सट्टे के फैलते कारोबार पर चिंतन व्यक्त करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी। इसके अलावा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष ने भी अलग से एसपी को पत्र लिखकर ऐसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की थी।

स्टेशन पर यात्रियों से किया संवाद

नर्मदापुरम। जिले में अमृत स्टेशन पर विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत मंगलवार को अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर अभिराम खरे, अपर मंडल रेल प्रबंधक भोपाल ने यात्रियों से प्रत्यक्ष संवाद किया।कार्यक्रम में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हुए सुधारों का मूल्यांकन किया गया और यात्रियों से सेवा सुधार के सुझाव प्राप्त किए गए। नागरिकों ने स्टेशन की स्वच्छता, सुरक्षा और विकास संबंधी कार्यों की सराहना की। नागरिक प्रतिनिधियों ने रेलवे सेवाओं के विस्तार, ट्रेन ठहराव, और पर्यटन प्रोत्साहन से संबंधित कई सुझाव दिए। इनमें नर्मदापुरम स्टेशन पर माँ नर्मदा तीर्थस्थली की महत्ता को दर्शाने वाली जानकारियां प्रदर्शित करने, ऑटो-स्टैण्ड के लिए स्थान चिन्हित करने, तथा छोटी दूरी की यात्रा के लिए अतिरिक्त ट्रेन सुविधा जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। जवाब में श्री खरे ने बताया कि बीना-इटारसी के मध्य चौथी रेल लाइन का प्रस्ताव पहले से स्वीकृत है और छोटी दूरी की यात्राओं के लिए विकल्पों पर विचार चल रहा है। उन्होंने नर्मदापुरम में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और ऑटो-स्टैण्ड संबंधी कार्यवाही का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर के. के. निगम, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता पी. एस. रघुवंशी, मंडल वाणिज्य प्रबंधक पंकज दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

गंजबासौदा। भारत के पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मेन भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में उनका जन्मदिन विश्व छात्र दिवस के रूप मे मनाया जाता है। इसकी पूर्व संध्या पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने ग्रामीण प्रतिभावान बच्चो का सेमरी में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विभाग कार्यकारिणी सदस्य रामकमल सिंह रघुवंशी ने बताया रक्षा के क्षेत्र मे कलाम साहब ने भारत को आत्मनिर्भर बनाया। आज हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी महाशक्ति है। मुख्य अतिथि जनशिक्षक अमित श्रीवास्तव, साक्षरता सह समन्वयक महेंद्र सिंह ठाकुर और मातारानी मंदिर के मुख्य पुजारी महाराज बालाराम ने डॉ कलाम को भारत का सुरक्षा वीर बताते हुए उनके द्वारा भारत को सुरक्षित बनाने अटल बिहारी वाजपेई के कंधे से कंधा मिलाकर किऐ गये परमाणु विस्फोट, मिसाइल तकनीक पर विस्तार से बताया ।

दो क्विंटल मावा किया जब्त

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

दीपावली के त्यौहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को शहर में कई जगह कार्रवाई करते हुए दो क्विंटल से अधिक अधिक मावा जब्त किया है। दीपावली पर पर मावा एवं मिठाईयां की जांच का राज्य स्तरीय चल रहे अभियान के अंतर्गत एसडीएम के निर्देश पर गठित दल द्वारा शहर में मावे की दुकानों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान बरेठ स्थित एक मकान से मावे के तीन नमूने लिए गए तथा शेष 211 किलो मावा जब्त किया गया जब्त किए गए मावे की बाजार कीमत 63300 बताई गई है लिए गए तीनों नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे। तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध खाद सुरक्षा मानक नियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा ने बताया कि विभाग के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। आगे कार्रवाई जारी रहेगी।

पिपरिया रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और एनसीबी की कार्रवाई

97 किलो गांजा के साथ सात महिलाएं गिरफ्तार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के पिपरिया रेलवे स्टेशन पर अमरकंटक एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर आरपीएफ पिपरिया और एनसीबी भोपाल की संयुक्त कार्रवाई में लगभग 97 किलो गांजा बरामद किया गया। इस धड़पकड़ में सात महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद किए गए गांजे की कीमत लगभग 48 लाख 45 हजार रुपए आंकी गई है।जानकारी के अनुसार, अमरकंटक एक्सप्रेस के पिपरिया स्टेशन पर आगमन पर कुछ संदिग्ध महिलाएं उतर रही थीं। आरपीएफ और एनसीबी की टीम ने उन महिलाओं को रोककर पूछताछ की। तलाशी लेने पर उन महिलाओं के पास अवैध रूप से गांजा पाया गया।गिरफ्तार आरोपियों में संध्या कुच्छबधिया, सोनम आदिवासी, पूनम कुच्छबधिया, कौशिक सोदा, सनो बाई, रानी कुच्छबधिया और गायत्रीबाई शामिल हैं। सभी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरपीएफ पिपरिया की टीम में प्रआर. संजय समाधियां, प्रआर. वृन्दावन यादव और आर. श्यामलाल शामिल रहे। एनसीबी भोपाल से विवेकानंद (इंस्पेक्टर), कुलदीप (एसआई), मुकेश मवाई और संजना इस कार्रवाई में शामिल थे।मामले की जांच एनसीबी भोपाल द्वारा जारी है।

आउटसोर्स कर्मियों का वेतन रोका

गुना। जिले में जिला अस्पताल में सिक्योरिटी, पर्चा बनाने वाले, आया आदि के पद पर आउट सोर्स कंपनियों के कर्मचारी काम कर रहे है। लेकिन आउट सोर्स कंपनियां या एजेन्सी इन कर्मचारियों का आर्थिक शोषण करने में जुटी हुई है। अकुशल श्रमिकों का प्रतिमाह 12150 रुपए वेतन दिया जाना मप्र सरकार ने निर्धारित किया हुआ है। लेकिन आउट सोर्स पर काम कराने वाली कंपनी और एजेंसियों के लोग से उन कर्मचारियों को पांच बमुश्किल आठ हजार रुपए वेतन दे रहे हैं। न ही उन कर्मचारियों को पीएफ की सुविधा है और न ही किसी भी प्रकार की श्रमिकों को मिलने वाली सुविधाएं। ऐसा ही एक मामला हाल ही में जिला अस्पताल में काम करने वाली एजेन्सी वर्ल्ड क्लास सिक्योरिटी जिला श्रम कार्यालय में पहुंचा है, जहां इस एजेन्सी के अधीन काम करने वाले श्रमिकों ने बीते चार माह से वेतन न मिलने की शिकायत की है और न ही किसी भी प्रकार की हम जैसे श्रमिकों को सुविधा दी जा रही है।

फसलों का मुआवजा मांगने किसानों ने किया अनूठा प्रदर्शन..

किसान बोले- 'सरकार ने हमें घुटनों पर ला दिया है'

राजगढ़, दोपहर मेट्रो

शहर में अतिवृष्टि और कीट व्याधि से खराब हुई खरीफ की फसलों के मुआवजे, राहत राशि की मांग को लेकर किसानों ने अनूठा प्रदर्शन किया। घुटनों के बल कलेक्ट्रेट पहुंचे किसानों और भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया और कहा कि सरकार ने हमें घुटनों पर ला दिया है। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे किसानों ने एसडीएम को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जिस पर एसडीएम निधि भारद्वाज ने किसानों को आश्वासन दिया कि जहां भी कमी होगी या जो भी गांव छूटे होंगे वहां दोबारा टीम भेजी जाएगी।

कलेक्ट्रेट के गेट पर ही धरना-प्रदर्शन पर अड़े पदाधिकारियों, किसानों ने जमकर खरी खोटी सुनाई और कहा कि अधिकारी खेतों में जा नहीं रहे हैं और किसानों की पीड़ा नहीं समझ रहे। न ही उनके नुकसान के हिसाब से उन्हें राहत राशि मिल पाई, बीमा भी नहीं मिल रहा। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आगे कहा कि सोसायटियों में हमें खाद नहीं दे रहे, कह रहे पहले बकाया जमा करो और सरकार भावांतर दिवाली बाद लागू करेगी। ऐसे में हम कहां से रुपए लाएं। प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार ने ऐसी व्यवस्थाओं से हमें घुटनों पर ला दिया है, हमारा लागत मूल्य निकल पाना भी मुश्किल हो रहा है। नारेबाजी करते हुए पहुंचे किसान यूनियन के पदाधिकारी पहले कलेक्टर को ही ज्ञापन सौंपने पर अड़ गए और घुटनों के बल पहुंचे किसान सड़क पर ही बैठ गए। जहं उन्होंने तमाम परेशानियां बताई।

प्रेमी के साथ भाग रही महिला को पति ने रोका तो कर दी हत्या

विदिशा, दोपहर मेट्रो

जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में फिल्मी कहानी की तरह घटना हुई। तीन बच्चों की मां अपने प्रेमी के साथ भाग रही थी। जब पति ने उसे रोकने की कोशिश की, तो प्रेमी ने चाकू से हमला कर पति की हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी की मदद से जाल बिछाकर आरोपी को एक घंटे के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया, बबलू अपनी पत्नी राजकुमारी और तीन बेटियों के साथ विदिशा के अहमदपुर चुंगी नाका के पास रह रहा था। पिछले तीन महीने से राजकुमारी का प्रेमी दीपक भी उनके घर में ही महिला की रजामंदी से डेरा जमाए हुए था। मंगलवार को सुबह इसे लेकर बबलू और राजकुमारी में विवाद हो गया, तो वह दीपक के साथ घर छोड़ने को राजी हो गई। तीनों बच्चों के साथ राजकुमारी व उसका प्रेमी खरीफाटक रोड तक पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रहे बबलू ने रोक लिया।

84 लाख रुपए मालखाना से चोरी का आरोप

बालाघाट। कोतवाली थाना के मालखाना से चोरी का मामला सप्ताहभर से पुलिस महकमे में चल रहा था। दो दिन पूर्व रविवार को इस मामले में प्रकरण दर्ज किए जाने की बात बताई जा रही है। लेकिन इसकी खबर किसी को कानोकान नहीं थी। पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने प्रेसवार्ता लेकर मालखाना से 84 लाख रुपए चोरी होने का आरोप लगाया तब यह बात बाहर निकली और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इस मामले को लेकर कोतवाली थाना में जब कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत से बात किया तो उन्होंने कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया। उस समय कोतवाली थाना में सीएसपी व अजाक्स डीएसपी मौजूद थी। एक पुलिसकर्मी ने बताया कि वे दोनों इसी मामले को लेकर बात कर रही है। दोनों थाना प्रभारी के कक्ष में है और व्यस्त है। इसलिए नहीं मिल पाएंगी। उधर पूर्व सांसद मुंजारे ने कहा कि समय-समय पर कोतवाली थाना का निरीक्षण करने वाले अधिकारियों ने क्या मालखाना नहीं देखा। यदि देखा तो उस समय मालखाना में कितनी राशि थी। क्या इसकी जांच नहीं कराई। इस मामले में उनकी भूमिका की जांच होनी चाहिए। पूर्व सांसद ने मई 2022 में डबल मनी कांड को भी हवा दी है।

मेट्रो एंकर

कमिश्नर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टरों को दिए निर्देश दिए

वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की कार्रवाई नियम अनुसार हो

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संभाग के हरदा, बैतूल और नर्मदापुरम जिले के कलेक्टरों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में बदलने की प्रक्रिया, कर्मचारियों के वेतन भुगतान, कार्यालयों में स्वच्छता अभियान, किसानों के हित में भावांतर योजना, कानून-व्यवस्था और हितग्राही योजनाओं पर विशेष जोर दिया गया।

कमिश्नर ने कहा कि वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया का जिलास्तर पर गहन अध्ययन कर नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वन अधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावे जनपद कार्यालयों में लंबे समय से लंबित हैं, ऐसे सभी आवेदनों पर प्राथमिकता से कार्रवाई कर पात्र लाभार्थियों को अधिकार पत्र प्रदान किए जाएं।

वेतन भुगतान को लेकर उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि नगर पालिका कर्मचारियों, पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों, आउटसोर्स, कंटीन्जेंसी और अन्य कर्मचारियों का वेतन किसी भी स्थिति में रुके नहीं। यदि बजट का अभाव है तो शासन से तत्काल आवंटन मांगा जाए। दैनिक उपस्थिति के आधार पर वेतन पाने वाले कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी अद्यतन रहे, पंजी के अभाव में भी वेतन रोकने की अनुमति नहीं होगी। सकारात्मक कार्य वातावरण के लिए कमिश्नर ने सभी कार्यालयों में स्वच्छता अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। वर्षों से जमा कबाड़, ई-कचरा, पुराने फर्नीचर, टूटे आइटम और अनुपयोगी फाइलों का निस्तारण करने को कहा। सभी शासकीय पत्राचार ई-साइन या डिजिटल साइन से ही हों और ई-ऑफिस सिस्टम का पूर्ण रूप से उपयोग किया जाए। उन्होंने कुछ कार्यालयों में अभी भी ऑफलाइन कार्यप्रणाली और पेन से हस्ताक्षर किए जाने पर नाराजगी जताई। ई-अटेंडेंस के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गई। उन्होंने भावांतर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और पंजीयन संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। नर्मदापुरम में 4,800 और हरदा में 18,000 किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीयन से वंचित किसानों को दूरभाष द्वारा व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर प्रेरित करने के निर्देश दिए।

आधार ई-केवाईसी की प्रगति भी संतोषजनक बताई गई, हरदा में 80प्रतिशत, बैतूल में 86 प्रतिशत और नर्मदापुरम में 78प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है। कमिश्नर ने आगामी पर्व-त्योहारों को देखते हुए सभी जिलों में कानून-व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। इसके लिए अधिकारियों को बैंक अधिकारियों के साथ विशेष समन्वय करने को कहा।इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, नर्मदापुरम जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, संयुक्त आयुक्त विकास जी.सी. दोहर सहित अन्य संभागीय अधिकारी शामिल हुए।

नर्मदापुरम में नाबालिग से दुष्कर्म, प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पथरौटा थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म कर गर्भवती करने का मामला सामने आया है। नवजात शिशु के जन्म के बाद यह मामला उजागर हुआ। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पथरौटा क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है और ईंट भट्टे पर काम करती है। वहीं काम करने वाले गुलशन पिता रूपसिंह कलमे, निवासी ग्राम छापरखेड़ा ने नाबालिग को प्रेम जाल में फंसाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके चलते किशोरी गर्भवती हो गई और 10 अक्टूबर को सिवनी मालवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसने बच्चे को जन्म दिया। स्वास्थ्य विभाग ने उम्र कम होने पर पुलिस को सूचना दी। जांच में पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे बहलाकर गलत काम किया था। पथरौटा थाना प्रभारी संजीव सिंह पवार के अनुसार, आरोपी की तलाश जारी है और उसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के चारों रेंज में तेंदुओं का मूवमेंट, किसी के लिए दहशत तो किसी के लिए कौतूहल

जंगलों में बढ़ रही तेंदुओं की दहाड़, संरक्षण व आहार की उपलब्धता से हो रही वंशवृद्धि

विशाल रजक, तेंदूखेड़ा

जिले के जंगल अब तेंदुओं के स्थायी आवास के रूप में पहचान बना रहे हैं बीते कुछ वर्षों में वन विभाग की सक्रियता निरंतर निगरानी और सुरक्षा उपायों के चलते तेंदुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अनुमान है कि वर्तमान में दमोह जिले के जंगलों में लगभग 50 से60 तेंदुए विचरण कर रहे हैं तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के अर्न्तगत आने वाले तेंदूखेड़ा झलौन तेजगढ़ तारादेही चारों रेंजों में इस समय तेंदुए देखें जा रहे हैं। तेन्दूखेड़ा के जंगल को अब तेदूओं का प्रमुख ठिकाना माना जा रहा है। यहां शाकाहारी वन्यजीवों की पर्याप्त संख्या और प्राकृतिक पर्यावरण जैसे चट्टानी भू भाग घास के मैदान घनी घनी झाड़ियां और पहाड़ी क्षेत्र तेंदुओं के लिए आदर्श आवास स्थल प्रदान करते हैं तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगल में बीते दो सालों से तेंदुओं का मूवमेंट देखा गया है दरअसल तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगल में तेंदुओं की मौजूदगी चर्चा का विषय बनी हुई है किसी के लिए यह दहशत का पर्याय है तो किसी के लिए कौतूहल का विषय लोगों का अपना अपना नजरिया है।

तेंदुए के लिए अनुकूल माहौल

वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट डॉ. बसंत मिश्रा ने बताया कि टाइगर रिजर्व में वन्य जीवों खासकर बाघ-चीते व तेंदुए के लिए अनुकूल माहौल और पर्याप्त आहार-पानी है। इस टाइगर में तेंदुओं की बसाहट बाघ के पहले की है। इसकी वजह यह है कि जहां बाघ नहीं होते या फिर कम हैं वह स्थान तेंदुओं के लिए सुरक्षित है टाइगर रिजर्व में अच्छी खासी संख्या में तेंदुआ हैं। तेंदुआ जंगल में रहकर जहां जंगली सुअर, सांभर, बंदर, चीतल का शिकार करता है तो वहीं शहर से लगे जंगलों में आकर यह कुत्तों का शिकार करने लगता है कुत्ता इसका पसंदीदा आहार है।

जानवरों की बढ़ी संख्या

टाइगर रिजर्व में शामिल होने के बाद चारों रेंज के जंगलों में जंगली जानवरों की संख्या में वृद्धि हुई है पहले सिंग्रामपुर के जंगल में ही बस तेंदुए देखा गया है लेकिन तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र के जंगलों में लगातार तेंदुओं को अलग-अलग स्थानों और वन बीटो में देखा जा रहा है जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जंगल में आधा दर्जन तेंदुओं की संख्या है जो चारों ओर अपना मूवमेंट बनाए हुए हैं।

निगम आयुक्त खत्री ने दूसरे दिन भी की सरकारी आवासों की जांच

204 आवासों की जांच के दौरान मिले 73 अपात्र व्यक्ति चिह्नित, करेंगे कार्रवाई

सागर, दोपहर मेट्रो

गरीबों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों पर अवैध कब्जा,किराए पर देने और विक्रय करने के खुलासे के दूसरे दिन भी जांच की गई। जांच में 73 अपात्र लोग मिले हैं, ये लोग मूल हितग्राही से या तो किराए पर आवास में रह रहे हैं या फिर उन्हें बेच दिया गया है। निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने लगातार दूसरे दिन भी किया बाघराज वार्ड स्थित छत्रसाल नगर कॉलोनी का निरीक्षण. 204 आवासों की जांच के दौरान मिले 73 अपात्र व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है।

आयुक्त राजकुमार खत्री ने छत्रसाल नगर कॉलोनी में गरीब परिवारों को पक्का आवास देने के लिए बनाए गये आवासों में अवैध रूप से कब्जा करने, 20 हजार रुपए जमा कर आवासों पर कब्जा करने एवं आवंटित आवास को किराए पर देने व आवासों को अनाधिकृत रूप से विक्रय करने की निगम के अधिकारियों के साथ रहवासियों से चर्चा की। उनके आधिपत्य संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई. 204 आवासों की जांच में 73 अपात्र किरायेदार ,103 पात्र व्यक्ति एवं 28 निगम आधिपत्य वाले आवास मिले।

जांच के दौरान किरायेदारों ने बताया कि प्रतिमाह 15 सौ रुपए से 2 हजार रुपए किराया दे रहे हैं . निगमायुक्त ने ऐसे सभी आवासों के दरवाजे पर लाल स्याही से अपात्र लिखवाकर संबंधित व्यक्ति का आवंटन निरस्त करने कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जांच के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि शासन द्वारा गरीब परिवारों को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए बाघराज वार्ड में छत्रसाल नगर कालोनी में आवास आवंटन किए थे।

निगम का ताला लगाकर आधिपत्य में लिया

अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा ताला तोड़कर एवं केवल 20 हजार रुपए जमाकर कब्जा करने वाले आवासों को निगम का ताला लगाकर आधिपत्य में लिया गया है। ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध जांच उपरांत पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी । जिन व्यक्तियों ने आवास लेकर किराए पर दे दिये हैं तथा गलत तरीके से आवासों को बेच दिया है, ऐसे आवासों के आवंटन को निरस्त करते हुए उनके द्वारा जमा की गई राशि राजसात कर किराए की राशि की वसूली भी की जाएगी।

बोले- किसी भी व्यक्ति को न दें किराए की राशि

निगमायुक्त ने एनाउंसमेंट कर सभी रहवासियों से अपील करते हुए कहा कि अब किसी भी व्यक्ति को किराए की राशि न दें, क्योंकि यह नगर निगम की संपत्ति है अगर कोई व्यक्ति किराए की मांग करता है तो उसकी सूचना दें जिससे उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके । उन्होंने कहा कि शीघ्र ही नगर निगम द्वारा शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें संबंधित पात्रता रखने वाले किराएदारों द्वारा राशि जमा करने पर आवास उपलब्ध कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एसएस बघेल, प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय तिवारी, उपयंत्री दिनकर शर्मा, महादेव सोनी,कृष्ण कुमार चौरसिया, राजू रैकवार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल उपलब्ध था।

14 विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

सागर। राज्यस्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में सम्मिलित दल में सागर की शासकीय पं. रविशंकर शुक्ल विद्यालय एवं संकुल अतंर्गत शासकीय मा. शाला धर्मश्री के विद्यार्थीयों ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर 8 विधाओं पुरस्कार प्राप्त किए. राज्य स्तरीय प्रतियोगिता नर्मदापुरम में आयोजित की गई थी. उत्कृष्ट प्रस्तुती देकर 14 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए स्थान बनाया . दल का नेतृत्व अशोक पटैल उ.मा.शि. रविशंकर विद्यालय द्वारा किया गया, दल में डॉ. शुभा मिश्रा, संकुल अंतर्गत शालाओं से रिंकी राठौर, जयंत विश्वकर्मा, साधना पांडे, विशेष शिक्षक आरिफ अली, दुष्यंत कुर्मी, अनीशा बानो, रामगोपाल ठाकुर सम्मिलित हुए। नर्मदापुरम जेडी मनीष वर्मा ने बालरंग प्रतियोगिता में प्रशस्ति एवं पुरस्कार दिए गए। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र प्रताप तिवारी सहित स्टाफ की मालिनी जैन, रंजीता जैन, प्रीति तिवारी, मधुलिका जैन, रश्मि साहू, गीता बिदुआ, रितु कटारे, सीताराम मिश्रा, राकेश श्रीवास्तव, देवेन्द्र कुमार पंथी हास्टल वार्डन आदि ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनायें दीं।

विक्रेता व सहायक पर एफआइआर

छतरपुर। जिले में किसानों को समय पर और उचित दर पर खाद उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में खाद की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अधिक दर पर बिक्री करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नौगांव ब्लॉक के ग्राम लुगासी में संचालित मैसर्स आरएस प्लाजा उर्वरक विक्रय केन्द्र पर गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। 29 सितंबर को राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने मैसर्स आरएस प्लाजा ग्राम पोस्ट लुगासी का निरीक्षण किया। रिकॉर्ड के अनुसार, विक्रेता को आईपीएल कंपनी का 35 मीट्रिक टन डीएपी उर्वरक आवंटित किया गया था। जांच में पाया गया कि 25 से 29 सितंबर तक यह उर्वरक किसानों को वितरण नहीं किया गया था, जबकि वितरण केंद्र पर ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारी नियमित रूप से उपस्थित थे।निरीक्षण के दौरान बायोमेट्रिक मशीन में केवल 2.25 मीट्रिक टन (45 बैग प्रति 50 किलो) खाद दर्ज मिली, जबकि बाकी का स्टॉक गायब पाया गया। इससे स्पष्ट हुआ कि उर्वरक का न तो सही तरीके से वितरण हुआ और न ही उसका अभिलेख रखा गया।

सागर में स्थापित होगा कैंसर हॉस्पिटल जल्द ही मुख्यमंत्री करेंगे शिलान्यास

80 करोड़ की लागत से बनेगा अस्पताल

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, अब जल्द ही सागर को अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल की सौगात मिलने जा रही है. 80 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली कैंसर अस्पताल का शिलान्यास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शीघ्र ही करेंगे। यह जानकारी विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन ने गत दिवस भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हुई मुलाकात के बाद दी। भेंट वार्ता के दौरान विधायक जैन ने मुख्यमंत्री को सागर की जनता की ओर से कैंसर हॉस्पिटल की सौगात देने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही कैंसर अस्पताल के शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया।

विधायक शैलेंद्र कुमार जैन के आग्रह को

स्वीकृती प्रदान करते हुए सीएम ने जल्द ही कैंसर अस्पताल के शिलान्यास के लिए आश्वासित किया है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान विधायक जैन ने पर्ल्स निवेशकों के मुद्दे पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि बड़ी संख्या में निवेशकों की पूँजी लंबे समय से फंसी हुई है। इस पर मुख्यमंत्री से आग्रह किया गया कि कंपनी की जप्तशुदा संपत्तियों का नीलामी कर निवेशकों को भुगतान कराया जाए। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। विधायक जैन ने बताया कि अब सागर को तीन प्रमुख सौगातें शिलान्यास के लिए तैयार हैं। रानी अवंतीबाई लोधी राजकीय विश्वविद्यालय, आचार्य विद्यासागर आयुर्वेद महाविद्यालय व अत्याधुनिक कैंसर हॉस्पिटल, इन तीनों परियोजनाओं के क्रियान्वयन से सागर का सर्वांगीण विकास होगा और शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विधायक जैन ने कहा कि यह हॉस्पिटल सागर ही नहीं, बल्कि पूरे बुंदेलखंड के लिए जीवनदायिनी परियोजना सिद्ध होगी।

सीएम हेल्पलाइन व अन्य शिकायतों के निराकरण में लापरवाही, अब कलेक्टर स्वयं सुन रहे हैं समस्याएं

गैरहाजिर सीएमएचओ, आरटीओ व सिविल सर्जन को कारण बताओ नोटिस

सागर, दोपहर मेट्रो

सीएम हेल्पलाइन सहित आम लोगों की समस्याओं के निराकरण में हीलाहवाली बरती जा रही है। इसके चलते अब कलेक्टर संदीप जीआर ने अधिकारियों को प्रेरित करने स्वयं ही दरबार लगाने की पहल की है। इसके अलावा शिकायतों के निराकरण के समय गैरहाजिर अधिकारियों को शोकॉज नोटिस भी दिए जा रहे हैं। कलेक्टर संदीप जीआर ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने चेंबर में शिकायतकर्ताओं को बुलाकर शिकायत का समाधान किया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को तत्काल अपने सामने ही निराकरण करने के निर्देश दिए. इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर राजनंदिनी शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं आवेदक मौजूद थे। दरअसल

कलेक्टर संदीप जी. आर की मंशा है कि आवेदकों की शिकायतों का निराकरण समय हो, इसके लिए उन्होंने नई पहल करते हुए आवेदकों को अपने सामने ही अधिकारियों के साथ मुलाकात कर उनकी समस्याओं का निराकरण करने की नई पहल शुरू की है। जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी की अनुपस्थिति पर उनको कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इसी प्रकार सिविल सर्जन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने आवेदकों की शिकायतों को सुनते हुए कहा कि कोई भी आवेदक अपनी समस्या लेकर आता है तो उसकी समस्या का तत्काल निराकरण हो। उन्होंने मौके पर ही शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना और तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्या के निराकरण में देरी होने पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए।

मेट्रो एंकर महापौर संगीता सुशील तिवारी ने किया श्रमिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

श्रमिक हमारे समाज की वास्तविक शक्ति: महापौर

सागर, दोपहर मेट्रो

मप्र श्रम कल्याण मंडल सागर संभाग द्वारा आयोजित श्रमिक खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ महापौर संगीता सुशील तिवारी ने किया। नगर के खेल परिसर मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में सागर जिले के विभिन्न संस्थानों एवं विभागों से लगभग 800 से अधिक श्रमिक एवं कर्मचारी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि श्रमिक हमारे समाज की वास्तविक शक्ति हैं। उनकी मेहनत और निष्ठा से ही हमारा शहर निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।महापौर ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

खेल भावना से किया प्रयास ही असली विजय है

खेल भावना से किया गया प्रयास ही असली विजय है, और ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों और श्रमिकों के बीच सौहार्द और सहयोग की भावना और मजबूत होती है। शाम को आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. जीएस चौबे, धर्मेंद्र चौबे, एमके जैन, डीएमए स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. ऋतु जायसवाल,सुधांशु श्रीवास्तव, अनिल अवस्थी, संगीता श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

4 गुना मुआवजा देने की मांग को लेकर किसानों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

मुरैना, दोपहर मेट्रो

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे में जिले के 25 गांव के किसानों की सैकड़ों जमीन अधिग्रहित की जा रही है। इसमें तीन हजार से ज्यादा किसान परिवार प्रभावित हो रहे हैं। किसानों के मुआवजे के नाम पर कलेक्टर गाइडलाइन से 2 गुना मुआवजा देने की घोषणा की गई है। जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान में चार गुना मुआवजा और उस पर भी कलेक्टर गाइडलाइन बढ़ाकर अतिरिक्त मुआवजा देने की कार्रवाई की जा रही है। जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। किसान चंबल कॉलोनी पार्क में एकत्रित हुए वहां से रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे, वहां प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री, कलेक्टर, एसपी के नाम एसडीएम व एडीशनल एसपी को ज्ञापन दिया गया। किसान नेताओं ने कहा कि अभी अतिवृष्टि, जल भराव से किसानों की फसल नष्ट हो गई है। उनको मुआवजा भी नहीं मिला है और इस बीच में जब किसान थोड़ी बहुत फसल बची है उसको काटने की कोशिश में लगे थे तभी सर्वे टीम गांव में पहुंच गई। जिससे किसानों का आक्रोश और बढ़ गया। जब किसानों ने सर्वे करने से मना किया तो माता बसैया थाने के प्रभारी अरुण कुशवाह ग्राम डोंगरपुर लोधा में पहुंच गए, ग्रामीणों को धमकाया।

साथी खिलाड़ी रोहित रोहित-विराट कोहली हुए रिटायर

सर जडेजा में अभी आग बाकी है... वेस्टइंडीज सीरीज में भी दिखा दम!

नई दिल्ली , एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम ने 2-0 से जीती। जहां रवींद्र जडेजा %प्लेयर ऑफ द सीरीज% रहे। वहीं जडेजा का इससे पहले इंग्लैंड सीरीज में भी प्रदर्शन शानदार रहा था। रवींद्र जडेजा का टेस्ट डेब्यू दिसंबर 2012 में हुआ। रोहित शर्मा को टेस्ट डेब्यू नवंबर 2013 में हुआ। विराट कोहली का टेस्ट डेब्यू जून 2011 में हुआ। मतलब जडेजा, रोहित और कोहली के टेस्ट डेब्यू में लगभग 1-1 साल का अंतर है।

रोहित और विराट ने मई 2024 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। 7 मई को तो 10 मई को विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलवि?दा कहा। लेकिन इन सबके बीच जडेजा का टेस्ट क्रिकेट में सफर जारी है। जडेजा ने वेस्टइंडीज के खि?लाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और और कुल 104 रन और 8 विकेट्स के साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड अपने नाम किया।

वहीं जडेजा के इस प्रदर्शन को लेकर उनके आलोचक यह कह सकते हैं कि वो हमेशा से घरेलू मैदानों पर चलते हैं। पर थोड़ा रुकि?ए।।। क्योंकि जडेजा का प्रदर्शन इंग्लैंड के खि?लाफ हुई टेस्ट सीरीज में भी धमाकेदार रहा था। वहां तो वो अलग ही फ्लो में दिख रहे थे। तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज 2025

में उन्होंने 5 मैचों की 10 पारियां में 516 रन बनाए। ओवल टेस्ट जिसे भारतीय टीम ने 6 रनों से जीता वहां उन्होंने दूसरी पारी में 53 रन बनाए।

मैनचेस्टर टेस्ट जिसे भारतीय टीम ने ड्रॉ किया, वहां भी जडेजा के बल्ले से 107 रन नाबाद आए। वहीं बर्मिंघम टेस्ट की दोनों पारियों में जडेजा ने 89 और 69 रन बनाए। कुल मिलाकर जडेजा उस दौरे में शुभमन गिल के बाद रन बनाने वाले खिलाड़ियों के मामले में चौथे नंबर पर थे। वहीं इंग्लैंड की जि?न पि?चों पर पेसर हावी थे, वहां जडेजा ने 7 विकेट भी पांच टेस्ट मैच के दौरान अपने नाम किए। यानी साफ है कि बतौर बल्लेबाज जडेजा ने जो काम इंग्लैंड की

जडेजा ने क्या कहा?

रवींद्र जडेजा ने अपनी शानदार प्रदर्शन के दम पर टीम इंडिया को बड़ी जीत दिलाई। प्लेयर ऑफ द सीरीज बने जडेजा ने कहा कि अश्विन के गैरमौजूदगी में उन्हें गेंदबाजी करने का मौका मिला और टीम ने हर विभाग में बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने बताया कि गौतम गंभीर ने उन्हें नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने का मौका दिया, जिससे अब उनका फोकस सिर्फ लंबे समय तक बल्लेबाजी करने पर है। जडेजा ने यह भी कहा कि उन्हें रिकॉर्ड के बारे में ज्यादा नहीं सोचते, उनका मकसद हमेशा टीम के लिए योगदान देना है। यह उनके करियर का तीसरी प्लेयर ऑफ द सीरीज ट्रॉफी है, इसे घर लेकर लौटकर वे बहुत खुश हैं।

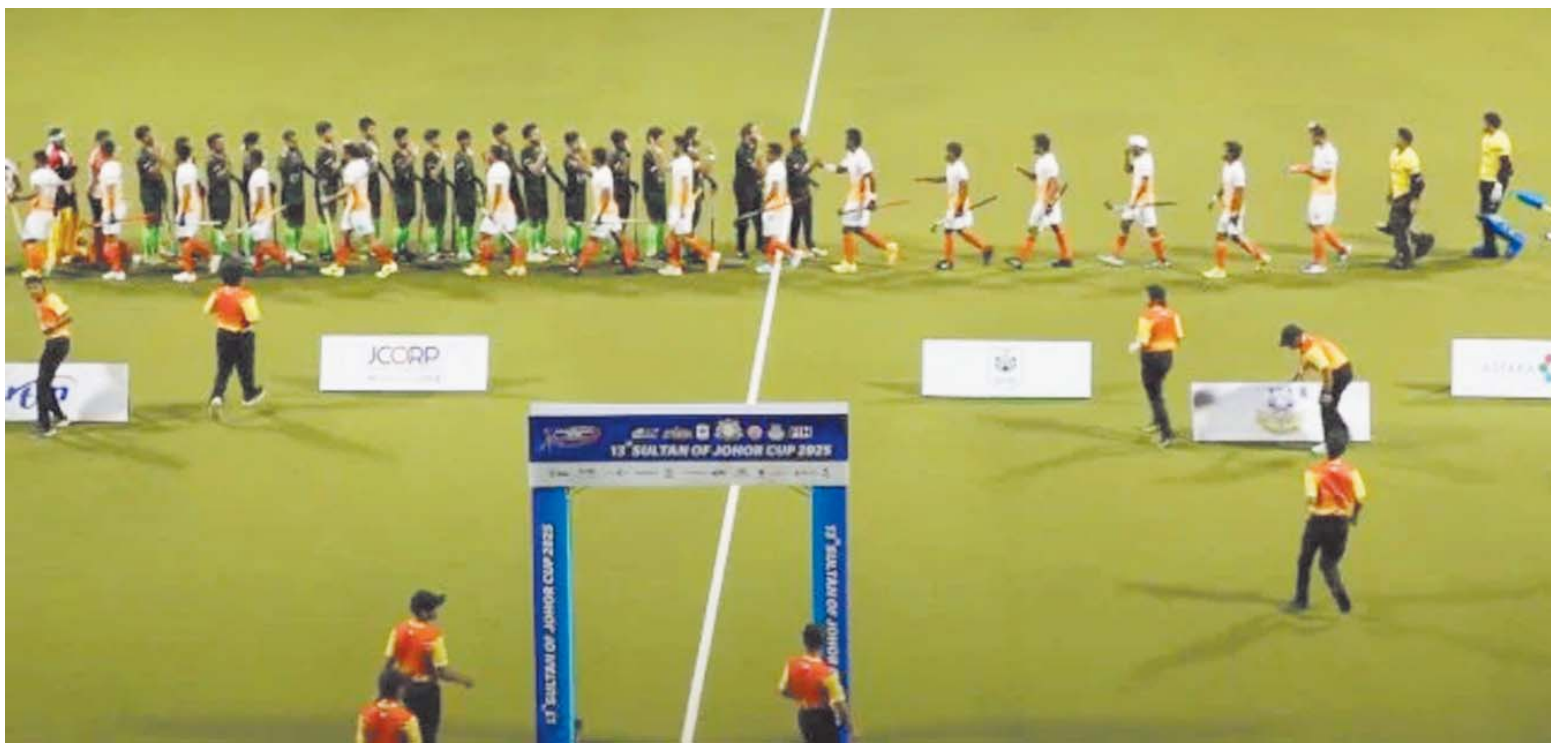

भारत-पाकिस्तान खिलाड़ियों ने मैच से पहले मिलाया हाथ

मलेशिया में खत्म हुआ हैंडशेक विवाद

अब सोशल मीडिया में शुरु हुआ चर्चा का दौर

नई दिल्ली , एजेंसी

मलेशिया के जोहर बाहरु में आयोजित सुल्तान जोहर कप में भारतीय जूनियर हॉकी टीम और पाकिस्तान के बीच मंगलवार को एक मुकाबला खेला गया। लेकिन इस मैच की शुरुआत से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। जिसकी चर्चा अब सोशल मीडिया पर हो रही है। ये चर्चा इसलिए लाजमी है क्योंकि पहलगाम हमले के बाद बढ़े तनाव के बाद दोनों देशों ने खेल के मैदान पर भी एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखी थी। एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। ये परंपरा महिला वनडे वर्ल्ड कप मैच में भी जारी रही थी।

लेकिन इस मुकाबले से पहले दोनों टीमों ने हाई-फाइव के साथ मुकाबले का शुभारंभ किया। बता दें कि इस मैच से पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले ही अपने खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तैयार रहने के निर्देश दिए थे। उन्हें कहा गया कि यदि भारतीय खिलाड़ी हाथ न मिलाएं तो उन्हें इसे नजरअंदाज करना चाहिए और किसी भी भावनात्मक टकराव में नहीं पड़ना चाहिए। अधिकारी ने यह भी बताया कि खिलाड़ियों को मैच के दौरान किसी भी तरह की भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचने के लिए सिखाया गया है, ताकि खेल की प्रतिस्पर्धा पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। इससे पहले अगस्त में पुरुष एशिया कप के लिए पाकिस्तान ने भारत में अपनी टीम नहीं भेजी थी, जिससे भारत-पाकिस्तान के बीच खेल संबंधी तनाव बढ़ा हुआ था। अब हॉकी के मैदान पर यह नया मोड़ आया है।

चर्चा में रहा है हैंडशेक विवाद

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है। इसके हमले के बाद एशिया कप में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होना था। इस मुकाबले के बायकॉट को लेकर खूब चर्चा थी। लेकिन दोनों टीमें मैदान पर उतरीं। लेकिन भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। ये सिलसिला पूरे एशिया कप में जारी रहा। दोनों टीमों में 3 बार भिड़ंत हुई। लेकिन भारतीय प्लेयर्स ने हाथ नहीं मिलाया। यही नहीं। एशिया कप जीतने के बाद भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तान के मोहसिन नकवी जो एसीसी के चेयरमैन थे, उनसे ट्रॉफी तक नहीं ली। इसे लेकर खूब विवाद हुआ। 5 अक्तूबर को जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप में पाकिस्तान से भिड़ी तो भी दोनों तरफ तनाव देखने को मिला और हाथ नहीं मिलाया। एक जूनियर फुटबॉल मुकाबले में भी दोनों देशों के खिलाड़ियों में ये तनातनी देखने को मिली। लेकिन अब हॉकी के मैदान पर ये सिलसिला टूट गया।

3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच खेल प्रतिस्पर्धा भले ही दशकों पुरानी हो, लेकिन सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के दौरान दोनों देशों के खिलाड़ियों ने खेल भावना की एक नई मिसाल पेश की। मंगलवार को खेले गए जूनियर हॉकी मैच से पहले जब दोनों देशों के राष्ट्रीय गान बजाए गए, तो उसके तुरंत बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाई-फाइव किया। मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए दिखे। यह दृश्य खास इसलिए था क्योंकि कुछ हफ्ते पहले हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच ऐसा कोई दृश्य नहीं देखने को मिला था।

कप्तान गिल ने रोहित-कोहली को भेजा खास मैसेज

वे मैदान पर उतरें और अपना जादू दिखाएं

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बहुप्रतीक्षित वनडे सीरीज़ से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए एक सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। यह वही सीरीज होगी जिसमें दोनों दिग्गज छह महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। नई दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 की टेस्ट सीरीज़ जीतने के बाद गिल ने कहा कि रोहित और कोहली से टीम को वही उम्मीद है जो वे वर्षों से करते आए हैं- भारत को जीत दिलाना।

गिल ने कहा, वे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अतीत में भारत के लिए कई मैच जीते हैं। वे पिछले 10-15 वर्षों से भारत के लिए खेल रहे हैं, और जो अनुभव वे लाते हैं वह हर कप्तान और हर टीम के लिए अनमोल है। हम यही उम्मीद करते हैं कि वे मैदान पर उतरें और अपना जादू दिखाएं। रोहित शर्मा और विराट कोहली आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आईपीएल 2025 में खेले थे। दोनों ने टेस्ट और टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया है और अब वनडे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं, लक्ष्य है 2027 वनडे विश्व कप। उनके रिद्म और फिटनेस को लेकर उत्सुकता बनी हुई है, खासकर इतने लंबे ब्रेक के बाद।

दोनो खिलाड़ी वनडे सेटअप का अहम हिस्सा

गिल ने साफ किया कि दोनों खिलाड़ी वनडे सेटअप का अहम हिस्सा बने रहेंगे और उनके अनुभव की टीम को बेहद ज़रूरत है। गिल, जिन्होंने रोहित शर्मा की जगह भारत की वनडे कप्तानी संभाली है, को अक्टूबर की शुरुआत में मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने तीन मैचों की ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए कप्तान घोषित किया था। वहीं, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी रोहित और कोहली की वापसी पर बात की और कहा कि 2027 विश्व कप अभी दूर है, इसलिए टीम को फिलहाल वर्तमान पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, वे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं, और उनका अनुभव टीम के लिए अमूल्य है। 2027 विश्व कप अभी दो-ढाई साल दूर है।

पर्थ वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, दो स्टार खिलाड़ी बाहर

नई दिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज शुरू होने में अब एक हफ्ते से भी कम वक्त बचा है। लेकिन इस सीरीज से पहले मेजबान ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया टीम 19 अक्टूबर को पर्थ में भारत के खिलाफ होने वाले पहले वनडे मुकाबले में दो प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरेगी। शुरुआत में चयनित एडम जम्पा और जोश इंग्लिस अब पहले मैच में नहीं खेलेंगे।उनके स्थान पर मैथ्यू कुनेमैन और जोश फिलिप को टीम में शामिल किया गया है। एडम ज़म्पा ने न्यू साउथ वेल्स में ही रहने का निर्णय लिया है क्योंकि उनका दूसरा बच्चा जन्म लेने वाला है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'दूसरा आदमी' को 48 साल पूरे नीतू कपूर ने ताजा कीं पुरानी यादें

बॉलीवुड की आईकॉनिक जोड़ी नीतू कपूर और ऋषि कपूर की यादगार फिल्म दूसरा आदमी के 48 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने खास अंदाज में प्रशंसकों के साथ पुरानी यादें साझा कीं। 14 अक्टूबर 1977 को रिलीज हुई इस फिल्म की सालगिरह पर नीतू ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म के दो मशहूर गाने जान मेरी रूठ गई और नजरों से कह दो शेयर किए। गाने जान मेरी रूठ गई के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, फिल्म दूसरा आदमी को 48 साल पूरे हो गए।

जान मेरी रूठ गई गाने को किशोर कुमार और पामिला चोपड़ा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसके बोल मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे और संगीत राजेश रौशन ने दिया। दूसरी ओर, नजरों से कह दो भी फिल्म का एक यादगार गाना है, जो दर्शकों को आज भी भावुक कर देता है। दूसरा आदमी एक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है,

जिसका निर्देशन रमेश तलवार ने किया था और इसे यश राज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में नीतू कपूर, ऋषि कपूर और शशि कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

अनूठी कहानी के लिए जानी जाती थी फिल्म

यह फिल्म अपनी अनूठी कहानी के लिए जानी जाती है, जिसमें एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है जो अपने से कम उम्र के युवक के प्यार में पड़ जाती है, जो उसे अपने प्रेमी की याद दिलाता है, जिसकी मौत हो चुकी है। बॉलीवुड में जहां दूसरी औरत की कहानियां आम हैं, वहीं दूसरे पुरुष पर आधारित यह फिल्म अपने समय से आगे थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ज्यादा सफलता नहीं बटोर पाई, लेकिन समीक्षकों ने इसकी कहानी और अभिनय की खूब सराहना की। नीतू कपूर के संवेदनशील अभिनय और फिल्म की गहरी भावनाओं ने इसे एक खास मुकाम दिलाया था। नीतू कपूर जल्द ही कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की अगली फिल्म में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग शिमला की खूबसूरत जगहों पर हुई है। खास बात यह है कि इस फिल्म से उनकी बेटी रिद्धिमा बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं।

मेट्रो बाजार

निफ्टी के 12 महीनों में 28,781 स्तर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। मार्केट बेंचमार्क निफ्टी लगभग 12 महीनों में 28,781 अंक के स्तर तक पहुंच सकता है। मंगलवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी टैरिफ, एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि और भू-राजनीतिक अस्थिरता जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार मजबूत स्थिति में बने हुए हैं। पीएल कैपिटल ने वित्त वर्ष 2025 से वित्त वर्ष 2027 तक निफ्टी के लिए 12.1 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया है, जिसमें बैंक, ऑटो और मेटल जैसे घरेलू क्षेत्र विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ब्रोकरेज ने कहा कि सामान्य मानसून, ब्याज दरों में 100 आधार अंकों की कटौती, जीएसटी रेट कट और वित्त वर्ष 2026 के बजट में घोषित कर कटौती के साथ अब उपभोग में मजबूत सुधार के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। ब्रोकरेज का कहना है कि सीमेंट, मेटल, तेल और गैस ऐसे क्षेत्र हैं, जो वित्त वर्ष 2026 की आय में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि ने अर्थव्यवस्था के मजबूती की पुष्टि की है, जो उम्मीदों से बढ़कर 7.8 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में यह 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत थी। जीएसटी कलेक्शन, ई-वे बिल, सेवा निर्यात और क्रेडिट वृद्धि जैसे हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर मजबूत अंतर्निहित घरेलू मांग का संकेत देते हैं।

अब जापान में भी चलेगा यूपीआई, पर्यटक क्यूआर कोड से कर सकेंगे डिजिटल पेमेंट

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अंतर्राष्ट्रीय शाखा एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने मंगलवार को जानकारी दी कि कंपनी ने एनटीटी डेटा जापान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू भारतीय पर्यटकों के पेमेंट एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए जापानी बाजार में यूपीआई को स्वीकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस साझेदारी के जरिए एनआईपीएल और एनटीटी डीएटीए जापान संयुक्त रूप से पूरे जापान में एनटीटी डेटा द्वारा अधिग्रहित मर्चेंट लोकेशन पर यूपीआई स्वीकृति को सुगम बनाने के लिए कार्य करेंगे। यूपीआई इंटीग्रेशन जापान में व्यापारियों को तेज चेकआउट प्रदान करने, ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएगा। एनपीसीआई इंटरनेशनल के एमडी और सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा, एनटीटी डेटा के साथ समझौता ज्ञापन जापान में यूपीआई स्वीकृति को सक्षम बनाने की नींव रखता है। यह साझेदारी भारतीय यात्रियों के लिए डिजिटल पेमेंट एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने और सीमा पार भुगतान को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि यह यूपीआई को अधिक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ले जाने और इसे वैश्विक स्तर पर सबसे विश्वसनीय डिजिटल पेमेंट सिस्टम में से एक के रूप में स्थापित करने की हमारी महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है।

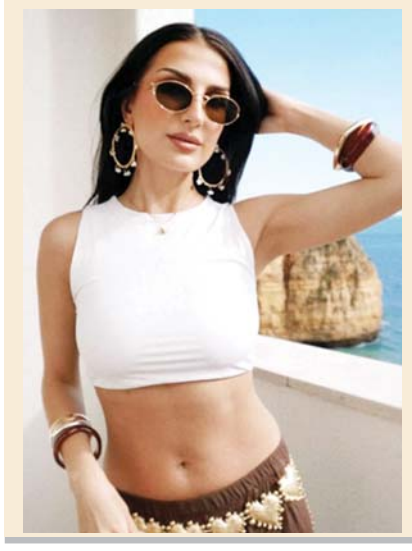

किंग खान के साथ टीवी ऐड करना मेरे करियर का सबसे यादगार अनुभव: मीरा

नई दिल्ली। स्वीडन से बॉलीवुड की चकाचौंध में अपनी छाप छोड़ने वालीं मीरा उमर आज सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। संगीत, नृत्य और कला के प्रति उनका जुनून ही पहचान बन गया है, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे है। अफगानिस्तान में जन्मी, स्वीडन में पली-बढ़ी और भारत में अपने सपनों को आकार देती मीरा की कहानी संघर्षों से भरी है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने करियर को लेकर बात की। काबुल से स्वीडन तक के सफर के सवाल पर मीरा ने कहा कि उनका स्वीडन आना एक लंबी यात्रा का हिस्सा था। उस वक्त वह काफी छोटी थीं, जिसके कारण उन्हें इस यात्रा के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं काबुल में पैदा हुई थी। यह 90 के दशक की शुरुआत की बात है, जब वहां युद्ध और तालिबान का बोलबाला था। हमें अपना देश छोड़ना पड़ा और हम शरणार्थियों के रूप में स्वीडन आए। मैं उस वक्त तीन साल की थी, इसलिए इस सफर की यादें काफी धुंधली हैं, लेकिन मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मेरे माता-पिता ने इतनी हिम्मत की, ताकि हम एक बेहतर जीवन पा सकें। स्वीडन एक अद्भुत देश है। मीरा ने आगे संगीत और नृत्य के प्रति अपने लगाव के बारे में बताया। वह कहती हैं कि उन्होंने गाना और नाचना उस समय शुरू किया, जब वह बोलना भी नहीं जानती थीं।

वायुसेना की बड़ी तैयारी, सुखोई और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट करेंगे दुश्मन को पस्त

लड़ाकू विमानों की बढ़ेगी ताकत, 200 किमी तक वॉर करने वाली 700 मिसाइलें खरीदेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के कई ठिकानों को तबाह करने के बाद भारतीय वायुसेना अपनी ताकत में और इजाफा कर रही है। अब वायुसेना ने अपने लड़ाकू विमानों के लिए 700 अस्त्र मार्क-2 मिसाइलों को खरीदने का फैसला किया है। इन घातक मिसाइलों को सुखोई और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट लड़ाकू विमानों में लगाया जाएगा।

एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) एस्ट्रा मार्क 2 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों

की रेंज को 200 किलोमीटर से भी ज्यादा बढ़ाने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय जल्द ही इस पर चर्चा करेगा। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायु सेना लगभग 700 एस्ट्रा मार्क 2 मिसाइलें खरीदेगी। इन मिसाइलों को सुखोई और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) लड़ाकू विमानों में लगाया जाएगा।

200 किमी से ज्यादा होगी रेंज: वहीं इससे पहले अस्त्र मार्क 2 मिसाइस की रेंज 160 किलोमीटर के आसपास रखने की योजना थी लेकिन अब इसे 200 किलोमीटर से काफी ऊपर ले जाने पर काम होगा। अस्त्र मार्क-1 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित किया गया था। यह मिसाइल भारत की पहली स्वदेशी 'बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल है, जो कि हवा से हवा में सटिक निशाना लगा सकती है। यह 100 किलोमीटर के दायरे में दुश्मन को पल भर में तबाह कर सकती है। डीआरडीओ की कई प्रयोगशालाओं के साथ-साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित 50 से ज़्यादा सार्वजनिक और निजी उद्योगों ने इस हथियार प्रणाली को बनाने में योगदान दिया है। अब डीआरडीओ इन मिसाइलों की ताकत को 200 किलोमीटर से भी अधिक करने पर विचार कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना का जबरदस्त प्रदर्शन: ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच हवा से हवा में सीमित झड़प हुई थी। तब भारत ने लंबी दूरी से ही पाकिस्तानी हवाई अड्डों और आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इस दौरान पाकिस्तान के कई विमान नष्ट हो गए थे, जिनमें अमेरिका से मिले स्त्र-16 और चीनी लड़ाकू विमान भी शामिल थे। पाकिस्तान के बड़े ड्रोन और जासूसी विमान भी जमीनी हमलों में तबाह हो गए थे।

पाक-तालिबान के बीच भीषण होती जंग, दोनों तरफ से रात भर फायरिंग

इस्लामाबाद/काबुल, एजेंसी

पाकिस्तान और तालिबान के बीच मंगलवार की रात जमकर जंग होती रही। दोनों देशों के की सेनाओं के बीच कई जगहों पर रातभर फायरिंग होती रही, जिसमें दोनों पक्षों को भारी नुकसान होने की रिपोर्ट है। पाकिस्तान की सेना ने दावा किया है कि तालिबान और तहरीक-ए-तालिबान यानी टीटीपी ने रातभर बिना उकसावे के फायरिंग की, जिसके बाद पाकिस्तानी सेना ने जवाबी हमला किया।

पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि उसने अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत और कुर्रम बॉर्डर पर तालिबान को भारी नुकसाव पहुंचाया है।

पाकिस्तान की सेना ने इस दौरान तालिबान के 6 टैंकों को ध्वस्त करने का दावा किया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसकी गोलीबारी में कुछ तालिबानी सैनिकों के मारे जाने के बाद कई तालिबानी सैनिक मौके से फरार हो गये। पाकिस्तान ने दावा किया है कि कुर्रम सेक्टर में एक अन्य मुठभेड़ में, एक टैंक को सटीक निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना ने सीमा पार स्थित नईम में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला करने का दावा किया है, जिसका इस्तेमाल कुर्रम सेक्टर में अभियानों के लिए विद्रोहियों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता था।

दोनों तरफ के अपने दावे

पाकिस्तान ने शमशाद चौकी पर एक भीषण मुठभेड़ में तालिबान के चौथे टैंक ठिकाने को नष्ट करने का दावा किया है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में, नरगासर चौकी पर एक और टैंक ठिकाने को भी टैंक और उसके चालक दल के साथ नष्ट करने का दावा किया। इसके अलावा तुर्कमानजई टॉप पर एक अभियान के दौरान छठे तालिबानी टैंक को उसके चालक दल सहित निशाना बनाकर नष्ट करने का भी दावा किया गया है।

पाकिस्तान और तालिबान के बीच पिछले 2-3 दिनों से लगातार संघर्ष जारी है। 11-12 अक्टूबर की रात हुए संघर्ष के बाद कल रात फिर से सीमा पर दोनों तरफ से भारी गोलीबारी की गई है। तालिबान ने 11-12 अक्टूबर की रात के हमले में पाकिस्तानी सेना के 58 जवानों को मारने का दावा किया था।

अफगान का दावा -पाक ने 15 मिनट में डाले हथियार

अफगानिस्तान की और से दावा किया गया है कि उसकी सेना के सामने 15 मिनट में ही पाक लड़ाके पस्त पड़ गए और उनके हथियार जब्त कर लिए गए। एक वीडियो में दिखाया गया है कि लड़ाई के 15 मिनट के अंदर ही तालिबानियों ने पाकिस्तानियों के हथियार जब्त कर लिए। स्पिन बोल्डक जिले के सूचना प्रमुख अली मोहम्मद हकमल ने टोलो न्यूज़ को बताया कि जारी लड़ाई में हल्के और भारी दोनों तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अभी तक हताहतों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तानी तोपखाने की गोलाबारी से आम लोगों के घर तबाह हो गए हैं, जिससे कई निवासियों को इलाके से भागना पड़ा है।

अफगानिस्तान के नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से जुड़े कबीर हकमाल ने कहा है कि, स्पिन बोल्डक क्षेत्र में तालिबान और पाकिस्तानी सेना के बीच भीषण झड़पें हुई हैं। कई सूत्रों ने हताहतों की पुष्टि की है और बताया है कि कई स्थानीय घर नष्ट हो गए हैं। पाकिस्तानी सेना कथित तौर पर डूरंड रेखा से सटे इलाकों को निशाना बनाने के लिए भारी हथियारों और हवाई शक्ति का इस्तेमाल कर रही है। दोनों पक्षों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

एक न्यूज एजेंसी ने कहा है कि कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डक गेट पर आज तड़के अफगान सुरक्षा बलों और पाकिस्तानियों के बीच भीषण झड़पें शुरू हो गईं। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के हताहत होने की पुष्टि हुई है।

दिल्ली में बीटेक छात्रा को दबोचा, टी-शर्ट फाड़ी अबॉर्शन पिल खिलाई

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी की एक 18 साल की छात्रा के साथ जबरदस्ती करने की घटना सामने आई है। हादसा 12 अक्टूबर की देर रात हुआ। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि चार आरोपियों ने यूनिवर्सिटी कैंपस में मुझे दबोच लिया और टी-शर्ट फाड़ दी। आरोपियों ने पैंट उतारने की भी कोशिश की। पीड़ित ने जब खुद का बचाव किया तो आरोपी ने उसकी जांघ पर पैर रख दिया। फिर आंखों में उंगली डाल दी। एक आरोपी ने जबरदस्ती मुंह खोल दिया और अबॉर्शन पिल खिला दी। हालांकि दवाई खिलाने की वजह सामने नहीं आई है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पीड़ित बीटेक फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट है। वह 13 अक्टूबर की सुबह परिसर में घायल अवस्था में मिली थी। पीड़ित ने एफआईआर दर्ज कराई है, चारों आरोपी फरार हैं। युवती ने आरोप लगाया है कि घटना से कुछ दिन पहले आर्यन यश नाम के एक व्यक्ति ने उसे ईमेल और सोशल मीडिया पर अश्लील और धमकी भरे मैसेज भेजे थे। इसके बाद वॉट्सएप और टेलीग्राम पर भी मैसेज आने लगे, जिसमें भेजने वाले ने छात्रा की प्रोफाइल फोटो को एडिट करके न्यूड बनाकर धमकी दी कि अगर वह एक घंटे में यूनिवर्सिटी के गेट नंबर 3 पर नहीं आई तो फोटो सभी छात्रों को भेज दी जाएगी। डर के चलते छात्रा हॉस्टल से निकलकर बाहर आई और बिल्डिंग के पीछे चली गई। वहां कंस्ट्रक्शन का काम भी चल रहा था। थोड़ी दूर चलने पर एक गार्ड आया, उसने पूछा कहां जा रही हो। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि एक आरोपी ने जांघों पर पैर रखा, सिर पर मारा और उसकी आंखों में उंगलियां डाल दीं। एक ने मुंह में अबॉर्शन पिल डाल दी, हालांकि मैंने पिल थूक दी थी। इस बीच यूनिवर्सिटी का एक कर्मचारी मौके पर पहुंचा तो आरोपी पीड़ित को घायल अवस्था में छोड़कर भाग गए। बाद में छात्रा के दोस्त आए और उसे वापस हॉस्टल ले गए।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

साउथ दिल्ली के डीसीपी अंकित चौहान ने कहा, आरोपियों का पता लगाने के लिए कैंपस से CCTV फुटेज निकाले जा रहे हैं और सभी सुरागों का पता लगाया जा रहा है। यूनिवर्सिटी ने भी घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है और 10 दिनों में रिपोर्ट देने को कहा। उधर घटना के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, छात्रों ने प्रशासनिक भवन में आठ घंटे से ज्यादा समय तक धरना दिया।

शांति की घोषणा के बाद भी हमास का कत्लेआम, लाइन में खड़ा कर कई को भूना

ग़ज़ा सिटी, एजेंसी

गाजा में संघर्षविराम के कुछ ही दिन बाद शांति की उम्मीदें फिर से राख हो गईं। हमास ने एक बार फिर हिंसा की लहर चला दी है। इस बार उसने अपने ही प्रतिद्वंदियों पर हमला बोल दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संगठन ने इजरायल से 'सांठगांठ' के शक में दर्जनों प्रतिद्वंदी मिलिशिया सदस्यों को गोलियों से भून दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के तुरंत बाद यह कार्रवाई हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि 'गाजा की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी हमास संभाल सकता है।

सफक न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा सिटी में कम से कम 8 लोगों को हमास के फायरिंग स्क्वाड ने सबके सामने गोली मार दी। वहीं अब तक 50 से अधिक प्रतिद्वंदियों की हत्या हो चुकी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आंखों पर पट्टी बांधे लोगों को गोली मारे जाते हुए देखा गया है। माना जा रहा है कि मारे गए लोग विरोधी गुटों के सदस्य थे, जिन पर इजरायल से संपर्क का आरोप था।

दुश्मनों को दे रहा चेतावनी

विश्लेषकों का कहना है कि ताजा हिंसा हमास का संदेश भेजने का एक तरीका है। वाशिंगटन फ्री बीकन की रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर हमास की एरो यूनिट के सदस्य थे, जो असहमति के स्वरों पर कठोर कार्रवाई के लिए जानी जाती है।

भाजपा नेता के अवैध निर्माण पर चला निगम का बुलडोजर

भोपाल। नगर निगम ने मंगलवार को सीएम हेल्पलाइन और कॉल सेंटर से मिली शिकायतों के आधार पर 70 से अधिक मुख्य बाजारों और आवासीय क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त कराया। सबसे बड़ी कार्रवाई मालीखेड़ी में हुई, जहां 'हाउसिंग फॉर ऑल' की जमीन पर हो रहे अवैध निर्माणों को निशाना बनाया गया। यहां 12 दुकानें और 05 फाउंडेशन तोड़े गए। आरोप है कि ये मामला वार्ड 72 (मालीखेड़ी) में भाजपा मंडल अध्यक्ष (भानपुरा) नीलेश गौर से जुड़ा है। इन्होंने लगभग 5-6 हजार वर्ग फीट निगम भूमि पर अवैध पक्के निर्माण शुरू किया था। निगम की इस कार्रवाई से खुश होकर स्थानीय रहवासियों ने सोशल मीडिया पर खुशी व्यक्त की और अन्य भू-माफियाओं पर भी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस पिटाई से मृत इंजीनियर की मौत की जांच करेगी एसआइटी

भोपाल। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर बीटेक छात्र उदित गायकी की मौत की जांच के लिए पांच सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआइटी) गठित की गई है। उदित एक डीएसपी के जेठानी का भाई है। मौत पिपलानी इलाके में पुलिस की पिटाई के कारण हुई। एसआइटी क्राइम सीन का पुनर्निर्माण भी कर सकती है। टीम का नेतृत्व गोविंदपुरा एसीपी अदिति सक्सेना करेंगी। टीम में पीपलानी थाना प्रभारी चंद्रिका यादव, दो उपनिरीक्षक और एक कांस्टेबल शामिल हैं। जांच टीम को 48 घंटे के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। डीसीपी विवेक सिंह ने कहा कि टीम को जांच तेजी से पूरी करने और किसी भी साक्ष्य की अनदेखी न होने का निर्देश दिया गया है। एसीपी अदिति सक्सेना ने बताया कि घटना स्थल से कई महत्वपूर्ण सुराग और नई जानकारी सामने आई है। जिसमें सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान शामिल हैं। घटना के बाद से लोगों में आक्रोश है।

बीजेपी के लिए बिहार में प्रचार करेंगी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

पटना/नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी शासित 14 राज्यों में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी बिहार की चुनावी जंग में उतरेंगी। रेखा गुप्ता बिहार में बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) के अधिकारियों ने बताया कि सीएम रेखा गुप्ता बिहार जाकर पार्टी के लिए प्रचार करेंगी। रेखा गुप्ता बिहार के डिप्टी सीएम और बीजेपी प्रत्याशी विजय सिन्हा के नामांकन में भी शामिल होंगी। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बुधवार को लखीसराय पहुंचेंगी। वह उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के नामांकन दाखिल करने के दौरान उनके साथ रहेंगी। नामांकन के बाद, वह वहीं के केआरके ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगी।

बीजेपी नेताओं का दावा है कि इस साल फरवरी में दिल्ली की मुख्यमंत्री का पद संभालने वाली रेखा गुप्ता की बिहार चुनाव में प्रचार के लिए भारी मांग है। नेताओं ने बताया कि वह कम से कम छह दिनों तक बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में सघन प्रचार करेंगी-तीन दिन पहले चरण के मतदान से पहले और तीन दिन दूसरे चरण के प्रचार के दौरान।

बिहार के लिए आप ने जारी की 48 नामों की दूसरी लिस्ट

पटना, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 48 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। मंगलवार को जारी सूची के अनुसार, प्रेम प्रताप सिंह को छपरा, राजेंद्र प्रसाद सिंह को लालगंज, आदित्य लाल को पूर्णिया और इंद्रजीत ज्योतिकर को हथुआ से मैदान में उतारा गया है। बता दें, इससे पहले, पार्टी ने 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार ने सभी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली-पंजाब में बदलाव के बाद, अब बिहार में भी आप जिंदाबाद। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 59 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी गयी है।

मेट्रो एंकर आवाजाही में बाधा डालना या गैर-यात्री क्षेत्रों में बैठना-सख्त वर्जित

दुबई मेट्रो में ऊंघते पाए गए तो लगेगा भारी जुर्माना

दुबई, एजेंसी

यहां मेट्रो में सफर करने के दौरान फर्श पर बैठने, लेटने या सीट पर सोते या ऊंघते हुए भारी जुर्माना लग सकता है। गल्फ न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक वायरल पोस्ट के बाद दुबई मेट्रो ने पैसेंजर के लिए मेट्रो में यात्रा करने को लेकर तौर-तरीकों की गाइडलाइन दोबारा जारी की है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक शख्स ने दुबई मेट्रो के लिए कुछ सुझाव दिए थे। इसके बाद पैसेंजर के लिए गाइड लाइन जारी हुई है।

शख्स ने पोस्ट में कहा था कि आरटीए को मेट्रो डिब्बों के बीच के चौराहे पर, विशेष रूप से रेड लाइन पर, बैठने वाले यात्रियों के लिए यहां न बैठें के स्टिकर लगाने चाहिए या जुर्माना लगाना चाहिए, क्योंकि इससे व्यस्त समय के दौरान आवाजाही बाधित होती है।

दुबई मेट्रो में गेट के सामने या मेट्रो के अंदर चौराहे पर खड़े रहने या बैठना सख्त मना है। बिना पैसेंजर के निकले वहां मेट्रो में चढ़ने पर भी फाइन लग सकता है। क्योंकि किसी भी पैसेंजर को आने जाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। सीट पर पैर चढ़ाकर बैठने, या सोने या ऊंघने पर भी जुर्माना लग सकता है।

मेट्रो ने जारी किया रिमाइंडर

दुबई मेट्रो ने रिमाइंडार जारी कर बताया कि यात्रियों को याद दिलाता है कि असुविधा पैदा करने वाली गतिविधियां - जैसे आवाजाही में बाधा डालना या गैर-यात्री क्षेत्रों में बैठना-सख्त वर्जित हैं। ऐसा करने पर 100 दिरहम से शुरू होने वाला जुर्माना हो सकता है। यह राशि ज्यादा भी हो सकती है। मेट्रो ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे विशेष रूप से व्यस्त समय के दौरान, सुविधाजनक यात्रा तय करने के लिए विनम्र और जिम्मेदार व्यवहार बनाए रखें। वायरल पोस्ट के बाद आरटीए ने यात्री को अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए धन्यवाद दिया और किसी भी असुविधा के लिए क्षमा मांगी। अधिकारियों ने पुष्टि की कि निरीक्षक नियमित रूप से मेट्रो की निगरानी करते हैं और नियमों का पालन न करने वाले यात्रियों पर जुर्माना लगाया जाता है। यात्री तत्काल कार्रवाई के लिए सीधे मेट्रो स्टेशन स्टाफ को भी घटना की सूचना दे सकते हैं। लगभग 9 लाख दैनिक यात्रियों के साथ, दुबई मेट्रो इस क्षेत्र की सबसे व्यस्त परिवहन प्रणालियों में से एक है। सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने के लिए, आरटीए ने शिष्टाचार, किराया, बिहेवियर, हेल्थ और सिक्योरिटी से जुडी गाइडलाइन जारी की हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564